राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 202 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली , गुरूवार , 03 फ़रवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

खास ख़बर

ह्यह्यह्यह्यह्यह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना में कुल राशि का 58 प्रतिशत प्रचार पर खर्च

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 2014-15 से 2020-21 तक कुल 683.05 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं जिनमें 401.04 करोड़ रुपए यानी 58 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का मकसद घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) तथा पूरे जीवन चक्र में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है।

अजंता, एलोरा गुफाएं आगंतुकों के लिए फिर से खोली गईं

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र में विश्व प्रसिद्ध अजंता एलोरा की गुफाएं एवं विभिन्न स्मारक बुधवार से पर्यटकों के लिए खोल दिए गए। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण ए स्थान तीन सप्ताह से बंद थे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के औरंगाबाद क्षेत्र के अधीक्षक डॉ. मिलन कुमार चौले ने पीटीआई-भाषा को बताया की आगंतुकों के लिए ऑनलाइन टिकटों की खरीद और पूर्ण टीकाकरण आदि जरूरी है।

ममता बनर्जी एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने पांच साल के अंतराल के बाद अपने संगठनात्मक चुनाव कराए थे। पार्टी के महासचिव पार्थ चटर्जी के अनुसार, बनर्जी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया, क्योंकि किसी अन्य नेता ने अपनी उम्मीदवारी पेश

राहुल गांधी ने संसद में कहा ...

मोदी सरकार ने अमीरों और गरीबों के लिए दो हिंदुस्तान बना दिए हैं

■ नई दिल्ली

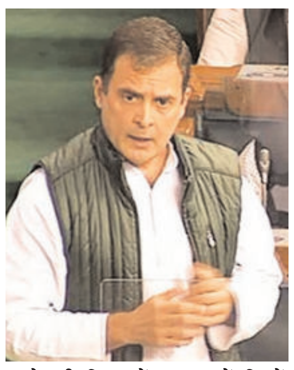

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार में दो हिंदुस्तान बन गए हैं जिनमें से एक अमीरों और दूसरा गरीबों के लिए है। संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हो रही चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि देश के सामने खड़ी प्रमुख चुनौतियों का अभिभाषण में उल्लेख नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा, अभिभाषण में कई रणनीतिक मुद्दों को नहीं छुआ गया है। कई प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख नहीं हुआ। तीन बुनियादी विषयों पर इसमें बात नहीं हुई। सबसे महत्वपूर्ण है कि अब दो भारत हैं। एक अमीरों का हिंदुस्तान है, दूसरा हिंदुस्तान गरीबों के लिए है। इनमें खाई बढ़ती जा रही है। राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री को सुझाव देता हूं कि दो हिन्दुस्तान को साथ लाने की दिशा में काम करें जिन्हें उनकी सरकार ने सृजित किया है। उन्होंने यह भी कहा, अभिभाषण में बेरोजगारी के बारे में एक शब्द नहीं है। आज देश का युवा रोजगार ढूंढ़ रहा है। यह सरकार रोजगार नहीं दे पा रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, पिछले साल तीन करोड़ युवाओं को रोजगार गंवाने पड़े। बीते 50 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी देश में आज है...इस सरकार ने असंगठित क्षेत्र और छोटे कारोबारों पर आक्रमण किया।

विपक्ष के आरोप का भाजपा ने दिया करारा जवाब

■ नई दिल्ली

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि देश को शहंशाह की तरह चलाने की कोशिश हो रही है तथा सरकार की नीतियों के कारण आज देश आंतरिक एवं बाहरी मोर्चों पर बड़े खतरे का सामना कर रहा है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, मजदूरों के कल्याण के मुद्दे पर कुछ नहीं किया गया और संस्थाओं पर नियंत्रण का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जीवनज्योति योजना और सौभाग्य योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, आवास योजना आदि के माध्यम से गांव, गरीब और किसान के कल्याण के लिए काम कर रही है। भाजपा ने कहा कि केंद्र सरकार ने जहां देश के महापुरुषों को सम्मान देने के लिए कदम उठाए हैं वहीं विपक्षी कांग्रेस ने केवल एक परिवार को सम्मानित करने का काम किया है।

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हो रही चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि देश को शहंशाह की तरह चलाने की कोशिश हो रही है तथा इस सरकार की नीतियों के चलते आज देश आंतरिक एवं बाहरी मोर्चों पर बड़े खतरे का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार की नीति के कारण ही आज चीन एवं पाकिस्तान एकसाथ आ गए हैं जो देश के लोगों के साथ किया गया सबसे बड़ा अपराध है। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार में दो हिंदुस्तान बन गए हैं जिनमें से एक अमीरों और दूसरा गरीबों के लिए है।

गुजरात के खिजादिया और उत्तर प्रदेश के बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित किया गया

नई दिल्ली। गुजरात के खिजादिया वन्यजीव अभयारण्य और उत्तर प्रदेश स्थित बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित किया गया है और इसके साथ ही देश में संरक्षित आर्द्रभूमियों की कुल संख्या बढ़कर 49 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी।

खिजादिया वन्यजीव अभयारण्य और बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर संधि के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्ता की आर्द्रभूमियों के रूप में मान्यता दी गई है।

पर्यावरण मंत्री ने पिछले साल रामसर सूची में शामिल किए गए सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य पर बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की।

यादव ने कहा, '' मुझे खुशी है कि दो और आर्द्रभूमियों को रामसर स्थलों में शामिल किया गया है। भारत में इस समय 49 रामसर स्थल हैं। ये 10.93 हेक्टेयर के इलाके में फैले हैं, जो दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा इलाका है।''

विश्व आर्द्रभूमि दिवस का विषय 'लोगों और प्रकृति के लिए आर्द्रभूमि के संबंध में कार्रवाई' था। इस अवसर पर यादव, पर्यावरण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे और हरियाणा के मुख्यमंत्री एम एल खट्टर ने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद द्वारा तैयार किया गया राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दशकीय परिवर्तन एटलस भी जारी किया, जो पिछले एक दशक में आर्द्रभूमि में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डालता है।

रामसर संधि आर्द्रभूमि के संरक्षण और कुशलता से उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है।

बजट का जोर गरीब, मध्य वर्ग और युवाओं परः मोदी

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि संसद में मंगलवार को पेश किए गए आम बजट का जोर गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं को बुनियादी सुविधाएं देने और आय के स्थाई समाधानों से जोड़ने पर है। भाजपा की ओर से वर्ष 2022-23 के आम बजट पर आयोजित कार्यक्रम आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बहुत जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर बने और उस आत्मनिर्भर भारत की नींव पर एक आधुनिक भारत का निर्माण हो।उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसे पूरी दुनिया बदल गई थी, उसी प्रकार कोरोना महामारी के बाद भी दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है और एक नई विश्व व्यवस्था तैयार होगी।बजट के विभिन्न प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे जीवन की सुगमता और व्यवसाय की सुगमता को एक नया आयाम मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दो लाख 30 हजार करोड़ रुपए की है और यह दर्शाता है कि हमारी बुनियाद मजबूत हैं, दिशा सही है और गति तेज है। कोरोना महामारी और उसके दुष्प्रभावों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संक्रमण का यह कालखंड पूरी दुनिया के लिए एक प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन है और इससे बहुत सारे बदलाव होने की संभावना है। पीएम ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित किया।

पीएम चाहते हैं भारत आत्मनिर्भर बने

भारत की अर्थव्यवस्था दो लाख 30 हजार करोड़ रुपए की है

बजट के विभिन्न प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे जीवन की सुगमता और व्यवसाय की सुगमता को एक नया आयाम मिलेगा। भारत की अर्थव्यवस्था दो लाख 30 हजार करोड़ रुपए की है और यह दर्शाता है कि हमारी बुनियाद मजबूत है।

डिजिटल मुद्रा को नकदी में तब्दील किया जा सकता हैः प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि आम बजट में प्रस्तावित डिजिटल मुद्रा को नकदी में तब्दील किया जा सकता है और यह फिनटेक क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) या डिजिटल मुद्रा ऑनलाइन लेनदेन को और सुरक्षित बनाएगा तथा इसमें किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इससे आने वाले समय में डिजिटल अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। ये डिजिटल रुपया अभी जो हमारी फिजिकल करेंसी (भौतिक मुद्रा) है उसका ही डिजिटल स्वरूप होगा और इसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है

कोरोना महामारी और उसके दुष्प्रभावों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संक्रमण का यह कालखंड पूरी दुनिया के लिए एक प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन है और इससे बहुत सारे बदलाव होने की संभावना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात वर्ष में सरकार ने जो निर्णय लिए और जो नीतियां बनाईं तथा पहले की जिन नीतियों में सुधार किए, उसकी वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था का निरंतर विस्तार हो रहा है।

फ्रांस में कोरोना वायरस के नए स्वरूप

उन्होंने कहा, सात-आठ साल पहले भारत की जीडीपी एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए था। देश की अर्थव्यवस्था दो लाख 30 हजार करोड़ के आसपास की है। यह समय भारत के लिए नए सिरे से तैयारी का, नए अवसरों का और नए संकल्पों की सिद्धि का है। बहुत जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर बने और उस आत्मनिर्भर भारत की नींव पर एक आधुनिक भारत का निर्माण हो। सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब-करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है।

योगी कल गोरखपुर में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी बच्चा पांडे ने बुधवार को बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी के साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी रहेंगे। उन्होंने बताया कि योगी बृहस्पतिवार को गोरखपुर पहुंचेंगे और नामांकन दाखिल करने से पहले महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज मैदान में कोविड प्रोटोकॉल के तहत एक बैठक को संबोधित करेंगे। पांडे ने बताया कि बृहस्पविार को मुख्यमंत्री पार्टी पदाधिकारियों और बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।

सिद्धू के विरुद्ध सड़क पर मारपीट मामले में पर विचार करेगा कोर्ट

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले उच्चतम न्यायालय सड़क पर मारपीट के 31 साल पुराने मामले में नेता नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ सुनाई गई सजा की बृहस्पतिवार को समीक्षा करेगा। सिद्धू फिलहाल कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष हैं और राज्य में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाला है। शीर्ष अदालत ने 15 मई, 2018 को इस मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले को दरकिनार कर दिया था जिसमें उन्हें गैर इरादतन हत्या का दोषी करार देकर तीन साल कैद की सजा सुनाई गई थी। शीर्ष अदालत ने सिद्धू को 65 साल के बुजुर्ग को जान बूझकर नुकसान पहुंचाने के अपराध का दोषी ठहराया था लेकिन उन्हें जेल-सजा से बख्श दिया था।

जरा हट के... बग्गा

भाजपा को जातिवाद, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता स्वीकार्य नहीं

लखीमपुर खीरी (उप्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को विकास के रास्ते पर चलने वाली पार्टी बताया और दावा किया कि पार्टी को जातिवाद, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता स्वीकार्य नहीं है।भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंह ने बुधवार को मोबाइल फोन के जरिए खीरी के लोगों को संबोधित करते हुए कहा,''भाजपा वह पार्टी है जिसने विकास का रास्ता चुना है। जातिवाद, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता भाजपा को बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। सिंह ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान लूट, हत्या, अपहरण जैसे अपराध नियमित होते थे।

बसपा नेता मायावती ने कहा- कांग्रेस, भाजपा, सपा दलित विरोधी, गुंडों की पार्टी

■ आगरा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार का आगाज करते हुए बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर पर जमकर निशाना साधा और उन्हें दलित विरोधी, गुंडों की पार्टी और नफरत फैलाने वाली पार्टी बताया। मायावती ने आरोप लगाया, कांग्रेस, दलितों गरीबों को लुभाने के लिए नाटक कर रही है। सपा की सरकार में गुंडा, बदमाश, माफिया और लूट-खसोट करने वालों का राज रहता है। वहीं भाजपा नीत सरकार में धर्म के नाम पर हमेशा तनाव और नफरत का वातावरण रहा है। मीडिया को जातिवादी बताते हुए मायावती ने दावा किया, हमारी पार्टी अपने बूते पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। मीडिया के सभी दावे 2007 की तरह एक बार फिर गलत साबित होंगे। आगरा में अपनी पहली चुनावी जनसभा से पार्टी के प्रचार की शुरूआत की।

आकाशीय बिजली का विश्व रिकॉर्ड

लगभग 769 किलोमीटर दूरी तक एक साथ चमकी

एजेंसी ■ न्यूयॉर्क/जिनेवा

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने तीन अमेरिकी राज्यों में 2020 में लगभग 769 किलोमीटर लंबाई तक या लंदन से जर्मनी के शहर हैम्बर्ग के बीच की दूरी के बराबर बिजली चमकने की घटना को एक रिकॉर्ड के रूप में घोषित किया है।संयुक्त राष्ट्र की अंतर सरकारी एजेंसी के विशेषज्ञों ने मंगलवार को बताया कि 29 अप्रैल, 2020 को बिजली की चमक दक्षिणी अमेरिका में मिसिसिपी, लुइसियाना और टेक्सास में पूरे 768 किलोमीटर या 477.2 मील तक फैली देखी गई। डब्ल्यूएमओ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर और कोलंबस ओहियो के बीच या लंदन और जर्मन

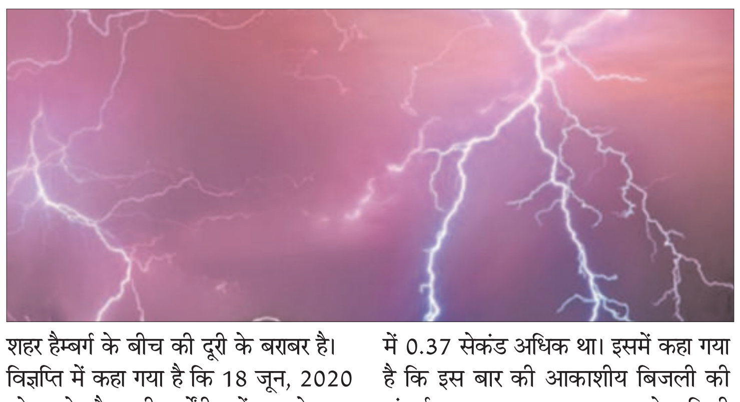

शहर हैम्बर्ग के बीच की दूरी के बराबर है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 18 जून, 2020 को उरुग्वे और उत्तरी अर्जेंटीना में गरज के साथ आकाश में बिजली 17.1 सेकंड तक चमकती रही और यह रिकॉर्ड उत्तरी अर्जेंटीना में 4 मार्च, 2019 को बनाए गए पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 0.37 सेकंड अधिक था। इसमें कहा गया है कि इस बार की आकाशीय बिजली की लंबाई 31 अक्टूबर, 2018 को दक्षिणी ब्राजील के पिछले रिकॉर्ड से लगभग 60 किलोमीटर ज्यादा थी।

डब्ल्यूएमओ ने कहा कि आकाशीय बिजली की चमक और समय ने एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उसने कहा कि निष्कर्ष अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के बुलेटिन में प्रकाशित हुए है।

संस्थान के लिए वेदर एंड क्लाइमेट एक्सट्रीम के दूत प्रो. रेंडाल सर्वेनी ने कहा , यह एक असाधारण रिकॉर्ड हैं। यह पर्यावरणीय चरम सीमा प्रकृति की शक्ति का एक माप है, साथ ही इस तरह के आकलन करने में सक्षम होने में वैज्ञानिक प्रगति भी है।

डब्ल्यूएमओ के महासचिव प्रो. पेटेरी टलास ने कहा, बिजली गिरना एक बड़ा खतरा है जो हर साल कई लोगों की जान ले लेता है। ए निष्कर्ष आकाशीय बिजली के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को उजागर करते हैं जहां चमक बहुत अधिक दूरी तक फैल सकती है।

तमिलनाडु में बाढ़ से हुए नुकसान का मुद्दा उठा रास में, केंद्र से मदद की मांग

नई दिल्ली। तमिलनाडु में पिछले साल अक्टूबर और नवंबर माह में भीषण बारिश की वजह से हुए नुकसान का मुद्दा उठाते हुए राज्यसभा में बुधवार को द्रमुक के एक सदस्य ने सरकार से तत्काल वित्तीय सहायता की मांग की ताकि राज्य के लोगों को राहत मुहैया कराई जा सके।

शून्यकाल के दौरान द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सदस्य पी विल्सन ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि अक्टूबर, नवंबर 2021 में भीषण बारिश की वजह से तमिलनाडु के कई जिले प्रभावित हुए और अवसंरचना से लेकर फसल तक को व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की वजह से पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रही तमिलनाडु सरकार ने राज्य के लोगों को यथासंभव मदद दी है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है।

विल्सन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय दल भी गया था लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद भी अब तक केंद्र की ओर से राज्य को कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र को राज्य की ओर से तीन ज्ञापन दिए गए और प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री के समक्ष अभ्यावेदन भी दिया गया किंतु अब तक कोई मदद नहीं मिली है।

विल्सन ने सरकार से मांग की कि राज्य को तत्काल छह हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जाए ताकि लोगों को राहत दी जा सके।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विजय साई रेड्डी ने शून्यकाल में तिरूमला तिरूपति देवस्थानम से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तिरूमला हिंदुओं का एक प्रख्यात तीर्थ स्थल है जहां पूरी दुनिया भर से श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा कि इस तीर्थ स्थल का प्रबंधन करने वाला तिरूमला तिरूपति देवस्थानम शैक्षिक और सामाजिक सहित कई तरह की परमार्थ गतिविधियां चलाता है जिसके लिए उसे धन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि यह धन उसे चंदे में और अनुदान के रूप में मिलता है। विदेशों से भी अनुदान मिलता है।

विजय साई रेड्डी ने कहा कि दिसंबर तक तिरूमला तिरूपति देवस्थानम के बैंक खाते में 13.4 करोड़ रुपये थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तिरूमला तिरूपति देवस्थानम का 'एफसीआरए' पंजीकरण एक तुच्छ तकनीकी आधार पर रोक दिया है जो नहीं रोका जाना चाहिए।

उन्होंने मांग की सरकार को इस ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

मनोनीत सदस्य नरेंद्र जाधव ने कहा कि देश के कई हिस्सों में हर साल प्राकृतिक आपदाएं आती हैं जिनकी वजह से कई ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की ऐतिहासिक धरोहरें उस देश की अमूल्य संपदा होती हैं जिनका संरक्षण जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास और संस्कृति को जान सकें।

जाधव ने सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, ऐतिहासिक धरोहरों का चरणबद्ध तरीके से विश्लेषण कर उनकी स्थिति का पता लगाना चाहिए और उनके संरक्षण के लिए समय रहते उपाय किये जाने चाहिए।

शून्यकाल में ही कांग्रेस के राजामणि पटेल ने रीवा में राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस राजमार्ग पर पथकर वसूलने वाली कंपनी नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन कर रही है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

तेलुगु देशम पार्टी के कनक मेदला रविंद्र कुमार ने अनुसूचित जाति से जुड़ा मुद्दा उठाया।

इंग्लैंड की महिला फुटबॉलरों को अब 14 सप्ताह का मातृत्व अवकाश

लंदन । इंग्लैंड की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के लिये मातृत्व अवकाश नीति में बदलाव किया गया है और अगले सत्र से उन्हें नियमित वेतन और अतिरिक्त भत्तों के साथ 14 सप्ताह का अवकाश मिलेगा।

इंग्लैंड फुटबॉल संघ ने बताया कि महिला सुपर लीग और महिला चैम्पियनशिप खेलने वाली खिलाड़ियों को यह सुविधायें मिलेंगी। इससे पहले यह क्लब पर निर्भर करता था कि वह कितनी छुट्टी देना चाहता है और उसके लिये भी यह अनिवार्य था कि खिलाड़ी क्लब के साथ कम से कम 26 सप्ताह खेल चुकी हो।

नयी नीति के तहत ऐसी कोई बाध्यता नहीं है।

चेलसी की मैनेजर एम्मा हायेस ने कहा, ''यह सही दिशा में एक और कदम है। यह सिर्फ इंग्लैंड की नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लागू होना चाहिये।'' करार के तहत चोट और बीमारी की दशा में कवरेज भी अधिक होगा।

किम जोंग पहली बार पत्नी के साथ कई कार्यक्रमों में आए नजर, दर्शकों ने किया जोरदार स्वागत

सियोल । उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग अपनी पत्नी के साथ राजधानी प्योंगयांग में चंद्र नववर्ष दिवस के एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां दर्शकों और कलाकारों ने राष्ट्रीय शक्ति के ''नए युग'' की शुरुआत करने के लिए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक मीडिया जनवरी में कुछ मिसाइल परीक्षणों के बाद किम के निरंकुश नेतृत्व को दिखाती रही है। कुछ विशेषज्ञ इन मिसाइल परीक्षणों को परमाणु वार्ता में गतिरोध को लेकर अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखते हैं।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बुधवार को बताया कि किम और उनकी पत्नी के मंगलवार के कंसर्ट के लिए प्योंगयांग के विशाल मैन्सुडे आर्ट थिएटर में पहुंचने के बाद ''जोरदार स्वागत'' किया गया। केसीएनए ने बताया कि दर्शकों ने इस बात की सराहना की कि किम ''लोगों के आदर्शों और प्रसन्नता तथा शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण की आकांक्षा को वास्तविकता में बदलकर देश में एक नयी दुनिया और एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं।''

उत्तर कोरियाई टीवी ने मंगलवार को एक नयी डॉक्यूमेंट्री में दिखाया कि किम एक सफेद घोड़े पर सवार होकर एक जंगल से गुजर रहे हैं जो देश पर उनके परिवार के वंशवादी शासन से जुड़ा प्रतीक है। यह डॉक्यूमेंट्री 2021 में वायरस रोधी अभियानों, निर्माण परियोजनाओं और हथियार विकसित करने समेत हासिल की गयी उनकी कथित उपलब्धियों पर बनायी गयी है।

बाइडन यूक्रेन के राजदूत के तौर पर ब्रिजेट ब्रिंक को कर सकते हैं नामित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन विदेश सेवा के अधिकारी ब्रिजेट ब्रिंक को यूक्रेन के लिए अपना राजदूत नामित कर सकते हैं। इस फैसले की जानकारी रखने वाले एक अमेरिकी अधिकारी ने यह बताया।

स्लोवाकिया में अमेरिका के राजदूत पद पर तैनात ब्रिंक लंबे समय से खाली पड़े इस राजनयिक पद को ऐसे वक्त में संभालेंगे जब अमेरिका और उसके सहयोगी यूक्रेन सीमा के समीप रूस के 1,00,000 सैनिकों को तैनात करने को लेकर अत्यधिक सजग हैं।

कोविड से मुकाबले में बढ़ा चिकित्सकीय कचरे का बोझ, डब्ल्यूएचओ चिंतित

जेनेवा । पूरी दुनिया में कोरोना महामारी से मुकाबला करने की भरपूर मशक्कत हुई है। इससे निपटने की प्रक्रिया में दुनिया भर में चिकित्सकीय कचरे का बोझ बढ़ गया है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक हालिया रिपोर्ट में चिंता जताई गयी है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना महामारी से मुकाबला करने के प्रयासों के दौरान लाखों टन अतिरिक्त चिकित्सकीय कचरा इकट्ठा हो गया है जिसने स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर भारी बोझ डाल दिया है। मुख्य रूप से प्लास्टिक से भरे इस चिकित्सकीय कचरे के भारी बोझ से इंसान और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिये भी भारी जोखिम उत्पन्न होने के साथ-साथ कचरा प्रबंधन सेवाओं में बेहतरी लाने की तत्काल ज़रूरत भी उजागर हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा कि रिपोर्ट याद दिलाती है कि कोई भी महामारी गम्भीर स्वास्थ्य संकट के साथ ही दुनिया के देशों के सामने अन्य तरह की चुनौतियां भी पैदा करती है।

संगठन की यह रिपोर्ट मार्च 2020 से नवंबर 2021 के बीच खरीदे गए निजी बचाव उपकरण (पीपीई) सामग्री की लगभग 87 हज़ार टन तादाद के विश्लेषण के आधार पर सामने आयी है। रिपोर्ट में ज़्यादातर सामग्री कचरे में तब्दील होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 करोड़ से ज़्यादा परीक्षण किटों की आपूर्ति की गई जिनसे लगभग 2600 टन कचरा बनने का अनुमान है। इसके अलावा 7 लाख 31 हज़ार लीटर रासायनिक कचरा भी प्रयोग किया गया।

अमेरिका में एक स्कूल के बाहर दो छात्रों को गोली मारी गयी, एक की मौत

रिचफील्ड । अमेरिका के मिनियापोलिस उपनगर में एक स्कूल के बाहर बुधवार को दो छात्रों को गोली मार दी गयी जिनमें से एक की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

रिचफील्ड पुलिस प्रमुख जे हेन्थोर्ने ने बताया कि साउथ एजुकेशन सेंटर के बाहर दोपहर करीब 12 बजकर सात मिनट पर छात्रों को गोली मारी गयी। एक छात्र को गंभीर हालत में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संदिग्ध घटनास्थल से फरार हो गए और पुलिस इलाके की तलाशी ले रही है।

विश्व में 24 घंटे में कोरोना से 13 हजार से अधिक मौत

वाशिंगटन ।

विश्व में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप जारी है और इसी क्रम में पिछ्ले 24 घंटे में 13 हजार 827 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई है, जिसके साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 लाख 85 हजार 892 हो गई है।

दुनिया भर में इस संक्रमण से प्रभावित लोगों की संख्या बढ़कर 38 करोड़ 13 लाख 15 हजार 125 हो गई है। वहीं अब तक 9.95 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 38,13,15,125 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 56,85,892 हो गया हैं।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.53 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,90,770 लोग काल के गाल में समा चुके हैं।

भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां पिछले 24 घंटों में बुधवार सुबह तक कोविड संक्रमण के एक लाख 61 हजार 386 नये मरीज सामने आये हैं। देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 16 लाख 21 हजार 603 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 3.90 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 9.26 प्रतिशत हो गयी है। अभी तक कुल तीन करोड़ 95 लाख 11 हजार 307 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 94.91 प्रतिशत है। वहीं इस दौरान 1733 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,97,975 हो गया है। देश में इस समय मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक 2.56 करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,28,356 लोगों की जान ले चुका है।

फ्रांस संक्रमण के मामले में चौथे पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 1.96 करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अब तक 1,32,307 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.75 करोड़ लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,57,404 तक पहुंच गया है।

तुर्की ने कोरोना संक्रमण के मामले में रूस को पीछे छोड़ दिया है और यह छठे पायदान पर है, जहां अभी तक करीब 1,17,22,483 लोग संक्रमित हुए हैं और इस महामारी से 87,614 लोगों की जान जा चुकी है।

रूस कोरोना संक्रमण के मामले में सातवें पायदान पर खिसक गया है। देश में इस महामारी से 1,17,95059 लोग प्रभावित हो चुके हैं और अब तक 3,25,321 लोग जान गंवा चुके हैं। मृतकों के मामले में रूस चौथे स्थान पर है।

इटली में संक्रमितों की कुल संख्या 1.11 करोड़ के पार पहुंच गयी है और यह आठवें स्थान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,46,925 तक पहुंच गया है।

स्पेन संक्रमितों के मामले में नौवें पायदान पर है जहां इस महामारी से अभी तक 10.03 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 93,633 लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा हैं। जर्मनी में वैश्विक महामारी से अभी तक 10.07 लाख से ज्यादा लोगों के प्रभावित होने से यह दसवें पायदान पर है। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,18,026 तक पहुंच गया है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में 14.36 लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण की जद में आ चुके हैं और इस महामारी से वहां 29,330 लोगों की मौत हो गई है।

कोविड-19: कनाडा में टीके संबंधी आदेश के विरोध में प्रदर्शन

टोरंटो।

कनाडा की राजधानी ओटावा में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों और टीके संबंधी आदेश के खिलाफ हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया और 'पार्लियामेंट हिल' के आस-पास जानबूझकर यातायात को बाधित किया।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने 'नेशनल वार मेमोरियल' में मूत्र त्याग किया और वाहन खड़े किए। एक व्यक्ति 'टूम ऑफ द अननोन सोल्जर' पर खड़े होकर नाचा।

वैश्विक महामारी से निपटने संबंधी आदेशों को लेकर कनाडा में हुए अब तक के सबसे बड़े प्रदर्शनों के बाद देश में प्रदर्शनकारियों को अन्य लोगों की सहानुभूति नहीं मिली। कनाडा में 80 प्रतिशत लोगों का टीकाकरण हो चुका है। प्रदर्शनकारियों के अभद्र व्यवहार से कई लोग नाराज हो गए।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने कहा कि ओटावा में प्रदर्शन करने वाले लोग अल्पसंख्यक हैं। प्रदर्शन के दौरान ट्रुडो और उनके परिवार को एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। उनके दो बच्चे कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और मंगलवार को आई जांच रिपोर्ट में उनके भी संक्रमित होने की पुष्टि हुई। ट्रुडो ने कहा कि वह ठीक है।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को भी प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कहा कि जब तक टीकों संबंधी सभी आदेश और अन्य प्रतिबंध वापस नहीं लिए जाते, तब तक वे हटेंगे नहीं। उन्होंने ट्रुडो सरकार को हटाए जाने की भी मांग की, जबकि अधिकतर प्रतिबंध उनकी सरकार के बजाय प्रांतीय सरकारों ने लगाए हैं। कई प्रदर्शनकारियों ने होटल, मॉल और किराने की दुकानों में मास्क पहनने से इनकार कर दिया।

प्रदर्शनकारी मिशेल क्लोएट (47) ने कहा, ''अब समय आ गया है कि कनाडा और दुनिया के बाकी देश वायरस से निपटने का कोई और तरीका खोजें।''

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय नायक समझे जाने वाले एथलीट टेरी फॉक्स की प्रतिमा को कनाडा के उल्टे झंडे से लपेट दिया। हड्डियों के कैंसर के कारण फॉक्स ने अपना एक पैर खो दिया था।

देश की उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने कहा, ''मेरे बच्चे स्तब्ध हैं। सभी कनाडाई युवाओं की तरह वे भी टेरी फॉक्स को अपना नायक समझते हुए बड़े हुए हैं। यह वह कनाडा नहीं है, जहां हम रहना चाहते हैं। हमारा कनाडा ऐसा नहीं है।'' ओंटारिया के प्रीमियर डग फोर्ड और संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. पीटर होटेज ने भी प्रदर्शनों की निंदा की।

देश में फिर से शांति स्थापित हो गई है: गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति

बिसाऊ (गिनी-बिसाऊ)। गिनी बिसाऊ में बुधवार को तख्तापलट की स्पष्ट कोशिश के तहत सरकारी भवन के आस-पास भारी गोलीबारी की गई, बहरहाल राष्ट्रपति उमारो सिसोको एम्बालो ने बाद में कहा कि पश्चिम अफ्रीकी देश में शांति फिर से स्थापित हो गई है।

एम्बालो ने अपने फेसबुक पेज पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह चमड़े की एक कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके पीछे गिनी बिसाऊ का झंडा है। हमले पर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि गतिरोध किस प्रकार समाप्त हुआ।

इससे पहले बुधवार को सरकारी प्रसारणकर्ता ने जानकारी दी थी कि ''हमलावर'' भवन में अधिकारियों को हिरासत में ले रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफी देर तक, भारी गोलीबारी हुई।

15 सदस्यों वाले पश्चिम अफ्रीका देशों के आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्ल्यूएएस) ने मंगलवार की हिंसा को तख्तापलट की कोशिश बताया और कहा कि वह ''गहरी चिंता के'' साथ बिसाऊ में स्थिति पर नजर रख रहा है। ईसीओडब्ल्यूएएस और पुर्तगाल ने तख्तापलट की इस कोशिश की निंदा की है। सेना के एक पूर्व जनरल एम्बालो को दिसंबर 2019 के चुनाव में विजेता घोषित किया गया था, हालांकि, चुनाव परिणाम का उनके प्रतिद्वंद्वी डोमिंगोस सिमोएस परेरा ने विरोध किया था।

रूस के साथ संभावित जंग में छापामार रणनीति अपनाने की तैयारी में यूक्रेनी लोग

खारकीव (यूक्रेन) ।

यूक्रेन पर रूस का आक्रमण होने की सूरत में लोग हर हाल में देश की रक्षा करने और छापामार युद्ध करने की योजना बना रहे हैं।

यूक्रेन की सीमा पर जहां रूस के हजारों सैनिक इकट्ठा हैं, वहां से केवल 40 किलोमीटर दूर है खारकीव शहर। यह यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर और औद्योगिक केन्द्र है, यहां हालात तनावपूर्ण हैं।

खारकीव शहर के लोगों की राय बंटी हुई है, कुछ यूक्रेन के पक्ष में हैं तो कुछ रूस के पक्ष में। इनमें से कुछ रूस से डट कर मुकाबला करने तो कुछ अपना जीवन शांति से बिताने की बात कहते हैं।

दस लाख से अधिक की आबादी वाले इस शहर के कुछ लोगों का कहना है कि अगर रूस आक्रमण करता है तो वे आम नागरिक का जीवन त्याग कर रूसी सैनिकों के खिलाफ छापामार युद्ध करेंगे। उनका मानना है कि देश के बहुत से नागरिक यही करेंगे।

किशोरों को टेबल टेनिस सिखाने वाली कोच विक्टोरिया बालेसिना कहती हैं,'' इस शहर की रक्षा होनी चाहिए। हमें कुछ करने की जरूरत है,न कि डरने की और घुटने टेकने की।''

जानकारों और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का कहना है कि दंत चिकित्सकों, कोच, गृहणियों का ऐसे शहर में छापामार युद्ध करना जहां जमीन के नीचे छिपने के लिए हजारों आश्रय स्थल हैं, रूसी सैन्य योजनकारों के लिए बुरा अनुभव साबित हो सकता है।

फाइजर ने पांच साल तक के बच्चों के लिए कोविड–19 रोधी टीके को मंजूरी देने को कहा

वाशिंगटन । फाइजर ने बुधवार को अमेरिका से पांच साल तक की आयु वाले बच्चों के लिए उसके कोविड-19 रोधी टीके को स्वीकृति देने के लिए कहा है, जिससे बेहद कम उम्र के अमेरिकी बच्चों को भी मार्च तक टीके लगाने की शुरुआत हो सकती है।

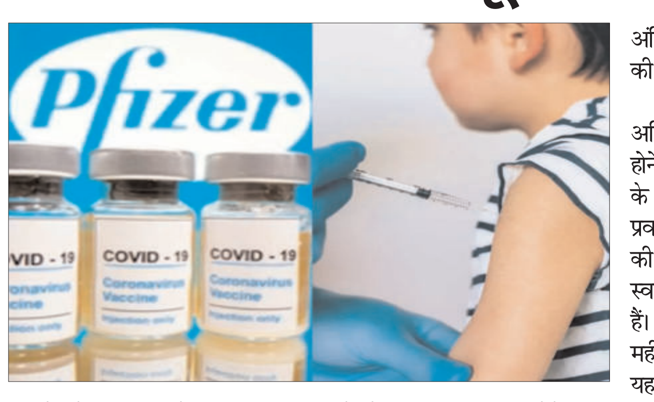

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए फाइजर तथा उसके सहयोगी बायोएनटेक से पूर्व नियोजित कार्यक्रम से पहले ही आवेदन करने के लिए कहा था।

देश में पांच साल तक के आयुवर्ग के 1.9 करोड़ बच्चे ही कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण के योग्य नहीं है। कई अभिभावक बच्चों को भी टीके लगाने पर जोर दे रहे हैं खासतौर से ऐसे वक्त में जब ओमीक्रोन संक्रमण के कारण रिकॉर्ड संख्या में बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अगर एफडीए स्वीकृति देता है तो फाइजर के टीके छह महीने तक के बच्चे को भी लगाए जा सकते हैं। इन टीकों की खुराक वयस्कों को दी जाने वाली खुराक का दसवां हिस्सा है। फाइजर ने बुधवार को कहा कि उसने एफडीए को आंकड़ें देना शुरू कर दिया है और उसे कुछ दिनों में यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

एक प्रमुख सवाल यह है कि इन बच्चों को कितनी खुराक देने की आवश्यकता होगी। प्रारंभिक जांच में शिशुओं के लिए दो खुराकें पर्याप्त मानी गयी लेकिन स्कूलों में दाखिला लेने वाले बच्चों के लिए यह पर्याप्त नहीं मानी गयी। फाइजर तीन खुराकों की जांच कर रहा है और अंतिम आंकड़ें मार्च अंत तक आने की उम्मीद है।

एफडीए ने ओमीक्रोन से अधिक संख्या में बच्चों के संक्रमित होने के कारण फाइजर से आवेदन देने के लिए कहा था। एजेंसी की एक प्रवक्ता ने बताया कि पांच साल तक की आयु के बच्चों में ओमीक्रोन स्वरूप के रिकॉर्ड मामले सामने आए हैं। एफडीए का अंतिम फैसला कुछ महीनों के भीतर आ सकता है लेकिन यह एकमात्र बाधा नहीं हैं। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र से भी मंजूरी लेनी होगी।

राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन बच्चों के लिए कोविड-19 रोधी टीके की खुराक को मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज करने की कोशिश कर रहा है। उसकी दलील है कि स्कूलों को फिर से खोलने तथा उन्हें खुला रखने के लिए इस आयु वर्ग का टीकाकरण महत्वपूर्ण है।

भारत का बजट संतुलित और व्यावहारिक है :अमेरिकी संगठन

वाशिंगटन।

भारत केंद्रित अमेरिकी कारोबार हिमायती समूह ने वित्तीय घाटे पर नजर रखते हुए विकास को बढ़ावा देने वाला बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी और इसे ''संतुलित तथा व्यावहारिक बजट'' बताया।

'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष मुकेश आघी ने मंगलवार को कहा, ''पहला सिद्धांत है कि कोई नुकसान न पहुंचे और सरकार ने इसका पालन किया - नीति में बड़े बदलाव नहीं किए गए जो मौजूदा परिस्थितियों में अच्छा है। मैं इसे नपा तुला और व्यावहारिक बजट कहता हूं। राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए सरकार पर और अधिक देने का काफी दबाव था।''

आघी ने एक बयान में कहा कि बजट में अप्रत्यक्ष रूप से यह भी माना गया है कि कोरोना वायरस और महंगाई ने अभी तक पीछा नहीं छोड़ा है।

वहीं, 'यूएसए इंडिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स' (यूएसएआईसी) ने कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण एक बार फिर प्रभावशाली और दूरदर्शी बजट लेकर आयी हैं जो कोविड-19 की तीसरी लहर के बीच ''संतुलित, आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण और वृद्धि उन्मुख'' है।

यूएसएआईसी के अध्यक्ष करुण ऋषि ने हालांकि कहा कि यह चिंता का विषय है कि बजट में राजस्व बढ़ाने के ठोस उपायों का अभाव है।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट में नवोन्मेषी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए 'बैटरी की अदला-बदली' की नयी नीति से भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने में एक व्यावहारिक विकल्प मिल सकता है।

मोटर वाहन उद्योग के विशेषज्ञ आर्थर व्हीटन ने कहा कि भारत सरकार को 'बैटरी की अदला-बदली' नीति लागू करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे, क्योंकि प्रमुख कार कंपनियां बैटरी प्रौद्योगिकी साझा नहीं करती हैं।

गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों पर बैटरियां बदलने की सुविधा देने के बारे में एक नीति लाने का प्रस्ताव रखा। सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर बैटरियां बदलने (स्वैपिंग) की सुविधा देने की तैयारी है। इसके लिए एक समुचित नीति लाई जाएगी।

कोविड संबंधी प्रतिबंधों को हटाने में जल्दबाजी नहीं करें देश: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने की शुरुआत कर रहे देशों से आह्वान किया है कि वे प्रतिबंधों में स्थिर और धीमी गति से ढील दें, क्योंकि हाल के आंकड़ों में दुनिया भर में कोरोना वायरस के कारण होने वाली मौतों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयेसस ने एक प्रेस वार्ता में कहा, ओमिक्रॉन संस्करण को पहली बार केवल 10 सप्ताह पहले पहचाना गया था, इसके बावजूद डब्ल्यूएचओ के समक्ष लगभग नौ करोड़ मामले दर्ज कराये गये हैं, जो पूरे 2020 में सामने आये मामलों से अधिक है। अब हम विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में मौतों में एक बहुत ही चिंताजनक वृद्धि देख रहे हैं।

उन्होंने कुछ देशों के नागरिकों की इस धारणा को लेकर अपनी चिंता दोहरायी कि 'टीकों के कारण, और ओमिक्रॉन की उच्च संप्रेषणीयता और कम गंभीरता के कारण, इसके प्रसार को रोकना अब संभव नहीं है और आवश्यक भी नहीं है।

श्री गेब्रेयेसस ने कहा, अधिक संचरण का मतलब अधिक मौतें हैं। हम किसी भी देश को फिर से तथाकथित लॉकडाउन लगाने के लिए नहीं कह रहे हैं, लेकिन हम सभी देशों से हर उपाय करके अपने लोगों की रक्षा करने का आह्वान कर रहे हैं, केवल टीके लगाना काफी नहीं है। किसी भी देश के लिए महामारी के समक्ष आत्मसमर्पण करना या जीत की घोषणा करना जल्दबाजी होगी।

भारतीय जनता पार्टी को नाम बदल कर भारतीय जासूस पार्टी रख लेना चाहिए: श्रीनिवास बी वी

पेगासस जासूसी कांड के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस का सांसद के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज पेगासस जासूसी कांड के खिलाफ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी के नेतृत्व में सांसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पेगासस सॉफ्टवेयर द्वारा जिस प्रकार से विपक्ष के नेताओ पे, न्यायधीशों पे, मीडिया के साथियों पे व अन्य नागरिकों पर की गई जासूसी व ब्लैकमेलिंग की जो की अत्यंत ही गंभीर विषय है, जिसके अब प्रमाण भी सामने आ गए है। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि जब बेरोजगार नौकरियों के लिए दर-दर की ठोकरें और लाठियां खा रहे थे, तब भारत के प्रधानमंत्री पेगासस खरीदने और जासूसी करने में व्यस्त थे। कांग्रेस पार्टी के नेता श्री राहुल गांधी जी ने जुलाई 2021 में सरकार से दो सवाल पूछे थे, जिनके जवाब प्रधानमंत्री ने तो नही दिए

लेकिन न्यू यॉर्क की रिपोर्ट से मिले, क्या हिंदुस्तान की सरकार ने पेगासस हथियार खरीदा? क्या इस हथियार का प्रयोग अपने लोगों पर किया? अब जवाब, एकदम साफ है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि संविधान और कानून, दोनों की हत्या मोदी सरकार द्वारा की जा रही है। प्रजातंत्र को पांव तले रौंदा जा रहा है। देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को दबाया जा रहा है! मोदी सरकार ने देशद्रोह किया है, राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ किया है। श्री राहुल गांधी जी समेत देश के विपक्षी नेताओं, सम्मानित अलग-अलग मीडिया संगठनों के पत्रकारों व संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की जासूसी करवाई गई। भारतीय जनता पार्टी का नाम बदल कर #BharatiyaJasoosParty रख देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हस्र्ह ने कहा था कि पेगासस का इस्तेमाल सरकारों द्वारा उग्रवाद से लड़ने के लिए किया जाता है, जबकि हकीकत में मोदी जी के विरोधियों के खिलाफ पेगासस का इस्तेमाल किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि न्यूज रिपोर्ट पहले ही बता चुके है कि केवल पत्रकारों, विपक्ष के नेता व खुद के मंत्रियों के नहीं, देश की सुरक्षा एजेंसियों के जो हैड है, जो हमारी सुरक्षा करते हैं, देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हैं, मोदी सरकार उनकी भी जासूसी कर रही थी, किसी को भी नही बक्शा है मोदी सरकार ने। इस तरह का कृत्य कर डरपोक मोदी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को आघात पहुंचाया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी ने यह मांग कि मांग की जल्द से जल्द जेपीसी द्वारा और सर्वोच न्यायालय की निगरानी के तहत इस जासूसी कांड की जांच होनी चाहिए।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि आखिर भारत के प्रधानमंत्री ने अपने ही नागरिकों की, मंत्रियों की, विपक्षी नेताओं की, पत्रकारों की, जजों एवं अधिकारियों की जासूसी क्यों कि? इन सवालों का जवाब अभी तक नही मिला है, अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी के नेतृत्व में पेगासस जासूसी कांड के विरुद्ध केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे, जहां दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर सभी को रोकने का प्रयास किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली सह प्रभारी खुशबू शर्मा, राष्ट्रीय सचिव शिवी चौहान, मंजू भरत तोंगड़, रियाज उल अंसारी, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव, समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

पेगासस मुद्दे को राज्यसभा में उठाने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडु ने पेगासस मुद्दे को सदन में उठाये जाने की अनुमति नहीं दी है। श्री नायडु ने आज सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कहा कि इसको लेकर नोटिस मिले हैं। इससे पहले के सत्र में भी इस तरह के नोटिस मिले थे। अभी इस मुद्दे को उठाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना में कुल राशि का 58 प्रतिशत प्रचार पर खर्च

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि ' बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत 2014-15 से 2020-21 तक कुल 683.05 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जिनमें 401.04 करोड़ रुपये यानी 58 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च की गई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि ' बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का मकसद घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) तथा पूरे जीवन चक्र में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है।

उन्होंने कहा, ''वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2020-21 तक 683.05 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से मीडिया एडेवोकेसी कैंपेन (प्रचार अभियान) पर 401.04 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है जो कुल व्यय का 58 प्रतिशत है।''

ईरानी ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी, जन्म के समय लिंग के चयन पर रोक और बालिकाओं की शिक्षा और विकास में मदद के लिए, सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से बेटियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी स्तरों पर इस योजना के तहत लगातार प्रयास किए जाते हैं। राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों, आकांक्षी जिलों तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की सबसे अधिक दर वाले 100 जिलों के साथ मंत्रीस्तरीय समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में, जागरुकता फैलाने पर बल देने के लिए और बेटियों को महत्व देने की दिशा में समाज की सोच में परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और 'एडवोकेसी' पर जोर दिया गया है। पिछले दो वर्षों में, केंद्रीय स्तर पर 'मीडिया एडवोकेसी' अभियान पर खर्च में काफी गिरावट आई है और अब स्वभाव परिवर्तन संपर्क पर जोर दिया जा रहा है।

गेट परीक्षा स्थगित करने की याचिका पर सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कोविड-19 वैश्विक महामारी की स्थिति के कारण पांच फरवरी से होने वाली इंजीनियरिंग परीक्षा में स्नातक योग्यता परीक्षा (गेट) को स्थगित करने की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने को बुधवार को तैयार हो गया।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अधिवक्ता पल्लव मोंगिया के याचिका सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर गौर किया और कहा, '' हम इसे सूचीबद्ध करेंगे।''

पल्लव मोंगिया का कहना था, '' यह गेट परीक्षा के बारे में है। शनिवार को होने वाली परीक्षा नौ लाख छात्र देंगे। एडमिट कार्ड भी जारी कर दिए गए हैं। कृपया याचिका सूचीबद्ध करें।''

याचिका में गेट परीक्षा पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई है।

ऐसा कहा जा रहा है कि 200 केन्द्रों पर नौ लाख छात्र परीक्षा देंगे, लेकिन अधिकारियों ने परीक्षा आयोजित करने के लिए कोई कोविड-19 संबंधी कोई दिशानिर्देश जारी नहीं किए हैं।

गेट की परीक्षा मास्टर्स प्रोग्राम में प्रवेश और कुछ सार्वजनिक उपक्रमां भर्ती के लिए छात्रों के इंजीनियरिंग और विज्ञान में स्नातक स्तर के विषयों के ज्ञान और समझ की परख के लिए आयोजित की जाती है।

रास में सभापति नायडू ने सदस्यों से सदन का निर्बाध कामकाज सुनिश्चित करने की अपील की

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने बुधवार को सदस्यों से बजट सत्र के दौरान सदन का निर्बाध कामकाज सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि उनका आचरण ऐसा होना चाहिए जिससे लोगों का भारत के संसदीय लोकतंत्र में भरोसा बना रहे।

सभापति ने उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर कहा कि देश के 5,000 सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों को इस ऐतिहासिक वर्ष में यह संकल्प लेना चाहिए कि लोगों का भरोसा उस लोकतंत्र में कायम रहे जिसे वह बीते 70 साल से मजबूत कर रहे हैं।

आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाने के बाद सभापति ने कहा ''और ऐसा करने का एकमात्र रास्ता यह है कि हमारा खुद का आचरण संसदीय लोकतंत्र में लोगों का भरोसा बनाने वाला हो।''

संसद के पिछले दो सत्रों के दौरान हंगामे की वजह से बार बार सदन की कार्यवाई बाधित होने का जिक्र करते हुए सभापति ने कहा ''इससे व्यथा होती है। मैं यह जिक्र इस उम्मीद के साथ कर रहा हूं कि जिस ऐतिहासिक समय से हम गुजर रहे हैं उसमें हमारा आचरण संयमित एवं अनुशासित होना चाहिए। भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं और यह हमारे लिए गर्व की बात है।''

नायडू ने कहा कि व्यवधान और इसकी वजह से सदन की कार्रवाई स्थगित होने के कारण शीतकालीन सत्र में 52.10 फीसदी समय बर्बाद हुआ। उससे पहले मानसून सत्र के दौरान इसी तरह 70.40 फीसदी समय बर्बाद हुआ।

संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से शुरु हुआ है जो 11 फरवरी तक चलेगा। पहले दिन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया और दूसरे दिन केंद्रीय बजट तथा आर्थिक समीक्षा पेश की गई। आज तीसरे दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इसके बाद आम बजट पर चर्चा होनी है। सभापति ने इसके लिए कार्य मंत्रणा समिति द्वारा तय किए गए समय की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान हो रहा यह संसद का छठा सत्र है। उन्होंने सदस्यों से कहा कि संकट के इस समय में विशेष व्यवस्था के साथ इस सत्र का आयोजन हो रहा है और इसे हर हाल में सार्थक बनाया जाना चाहिए।

साथ ही सभापति ने मंत्रियों एवं सदस्यों से कोविड महामारी से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखने एवं उन्हें निर्धारित की गई सीटों पर ही बैठने का अनुरोध भी किया।

तटरक्षक बल के कोच्चि बेड़े में शामिल हुए दो एएलएच मार्क-3 ध्रुव हेलीकॉप्टर

भुवनेश्वर, पोरबंदर, कोच्चि और चेन्नई में चार स्काड्रनों में तैनात होंगे एएलएच मार्क-3

आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किए हैं एचएएल ने

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल के स्थापना दिवस पर दो एचएएल एएलएच मार्क-3 ध्रुव हेलीकॉप्टर आईसीजी कोच्चि कमान के बेड़े में शामिल किये गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण के अनुरूप तैयार किये गए ये अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किए हैं। इन एएलएच हेलीकॉप्टरों को भुवनेश्वर, पोरबंदर, कोच्चि और चेन्नई में चार तटरक्षक स्क्वाड्रनों में तैनात किया जाएगा। तटरक्षक बल को मिलने वाले 16 एएलएच में ये हेलीकॉप्टर 9वें और 10वें हैं।

मुंबई पर आतंकी हमला होने के 9 साल बाद मार्च, 2017 में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ लगभग 5,126 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर करके एएलएच मार्क-3 के 16 ध्रुव हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर दिया गया था। इन हेलीकॉप्टरों का पहला बैच 05 फरवरी, 2021 को एचएएल ने तत्कालीन नौसेना अध्यक्ष एडमिरल करमबीर सिंह को सौंपा था। इसमें 03 एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क-3 वेरिएंट नौसेना के लिए और दो एएलएच इंडियन कोस्ट गार्ड के लिए थे। ये दो हेलीकॉप्टर 18 मार्च को कोस्ट गार्ड को सौंप दिए गए थे। इन्हीं दोनों हेलीकॉप्टरों को 12 जून को औपचारिक रूप से आईसीजी के बेड़े में शामिल किया गया। इसके बाद से अब तक एएलएच मार्क-3 के 08 ध्रुव हेलीकॉप्टर इंडियन कोस्ट गार्ड में शामिल किये जा चुके हैं।

एचएएल के इंजीनियरों ने ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर मार्क-3 वेरिएंट में तटीय सुरक्षा के लिए 270 डिग्री कवरेज के साथ एक निगरानी रडार लगाया है, जो कई समुद्री लक्ष्यों का पता लगाकर उन्हें वर्गीकृत और ट्रैक कर सकता है। सिंथेटिक-एपर्चर रडार, उलटा सिंथेटिक-एपर्चर रडार और मूविंग टारगेट इंडिकेशन लगाया गया है, जिसमें वेदर मोड भी है। टोही नियंत्रण के लिए सह-पायलट की ओर बहु-स्पेक्ट्रल इलेक्ट्रो-ऑप्टिक भी लगाया गया है, जो लक्ष्य प्राप्ति और सीमा की खोज करता है। हाई-इंटेंसिटी सर्चलाइट, लाउरहाइलर, 12.7-एमएम केबिन माउंटेड मशीन गन, ट्रैफिक अलर्ट और टक्कर टालने की प्रणाली लगाई गई है।

जिम और स्पा को तुरंत खोलने के दिए जाएं आदेश: बिधूड़ी

- मुख्यमंत्री तुरंत भेजें उपराज्यपाल को प्रस्ताव
- जिम और स्पा वालों के साथ सरकार कर रही है भेदभाव

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी के जिम और स्पा तुरंत खोलने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से आग्रह किया है कि वह इस बारे में उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल को तुरंत प्रस्ताव भेजें ताकि जिम और स्पा भी खोले जा सकें। बिधूड़ी ने सवाल किया है कि जब कोरोना के मामले काफी कम हो गए हैं तो लोगों की सेहत से जुड़े जिम और स्पा को खोलने के लिए दिल्ली सरकार ने अब तक प्रयास क्यों नहीं किए?

उन्होंने कहा कि बाजारों से वीकेंड कर्फ्यू और ऑड-ईवन जैसी पाबंदियों को हटाया जा चुका है। इसके साथ ही रेस्टोरेंट, बार और सिनेमा को भी 50 फीसदी क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दी जा चुकी है। बसों और मेट्रो को पूरी केपेसिटी से चलाया जा रहा है। यहां तक कि ऑटो और टैक्सियों में भी पूरी क्षमता से यात्री चल रहे हैं। ऐसे में सिर्फ जिम और स्पा से ही भेदभाव क्यों किया जा रहा है। बिधूड़ी ने कहा कि कोरोना के दौरान फिटनेस इंडस्ट्री ही सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। पिछले दो सालों से इन्हें लगभग बंद ही रखा गया है। दिल्ली में 5 हजार से ज्यादा जिम हैं और इस इंडस्ट्री से एक लाख से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं। उनके लिए भूखों मरने की नौबत आ गई है।

बिधूड़ी ने कहा कि कोरोना के केस कम होने के बाद अब लोगों के स्वास्थ्य को देखते हुए भी फिटनेस बहुत जरूरी है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लोग खुले में भी करसत नहीं कर पा रहे। ऐसे में जिम और स्पा खोलना लोगों की सेहत के लिए भी जरूरी है। इसलिए दिल्ली सरकार तुरंत कदम उठाए और उपराज्यपाल को प्रस्ताव बनाकर भेजे कि अब इस इंडस्ट्री को कोरोना के नियमों का पालन करते हुए खोलने का समय आ गया है।

सभी पुरुषों को बलात्कारी कहना ठीक नहीं- ईरानी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि सभी पुरुषों को बलात्कारी कहना ठीक नहीं है। श्रीमती ईरानी ने सदन में प्रश्नकाल में कहा कि वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता है और कोई इसका समर्थन नहीं करता है। लेकिन इसकी आड़ में सभी पुरुषों को बलात्कारी कहना ठीक नहीं है। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विस्वम के 'वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा' से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रही थी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। देश में राज्यों के सहयोग से 37 हेल्पलाइन चल रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए देश में 700 वन स्टाप सेंटर चल रहे हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जिला स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इन केंद्रों में संबंधित अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है।

परमवीर चक्र विजेता ने परेड में भाग लेने वाले छात्रों को किया सम्मानित

नई दिल्ली। मात्र 19 वर्ष की आयु में देश का सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले योगेंद्र सिंह यादव ने बुधवार को गणतंत्र दिवस परेड में देशभक्ति पूर्ण रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कमल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन गार्डन और वंदना इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 द्वारका के छात्र का उत्साहवर्धन किया। बता दें कि नई दिल्ली स्थित 7 मोतीलाल नेहरू मार्ग पर गुरु शरणं द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले राजधानी दिल्ली के एकमात्र दल के सम्मान में आयोजित समारोह में इन छात्रों, उन्हें तैयार करने वाले प्रशिक्षकों को योगेंद्र सिंह यादव, राष्ट्रपति अवॉर्डी दिल्ली फायर सर्विस के डिप्टी चीफ धर्मपाल भारद्वाज ने तिरंगा अंगवस्त्रम्, मेडल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं अंतरराष्ट्रीय रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. वीपी टंडन, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सदस्या डॉ. वंदना टंडन, वीरेंद्र कुमार गर्ग, कार्यक्रम संयोजक डॉ. भरत झा सहित कई गणमान्य विभूतियां भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर इन छात्रों को शानदार प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए तैयार करने वाले कोरियोग्राफर दिलीप परिहार, दिनेश परिहार और विद्यालय समूह के संगीत और नृत्य प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

सरकार अपना ही गुणगान करने में मग्न, आम लोगों की समस्याओं की उसे परवाह नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी नीत सरकार पर अपना ही गुणगान करते रहने एवं आम लोगों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि न तो करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद गंगा साफ हुई, न ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद वहां आतंकी हिंसा में कमी आई, उल्टे देश भर में महंगाई और बेरोजगारी ने कोविड के कारण पहले से ही परेशान आम लोगों की कमर तोड़ कर रख दी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर उच्च सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए सदन में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया ''राष्ट्रपति का यह अभिभाषण न तो कोई नीतिगत दस्तावेज है और न ही उसमें कोई दृष्टिकोण है। इसमें सरकार ने केवल अपनी उपलब्धियों का ही बखान किया है। जनता के बुनियादी मसले जैसे महंगाई, बेरोजगारी, अनुसूचित जाति जनजाति समुदाय के लोगों के साथ ज्यादतियां आदि यथावत हैं जिनका इसमें कोई जिक्र ही नहीं है।''

सरकार पर ''काम कम करने और प्रचार ज्यादा करने'' का आरोप लगाते हुए खड़गे ने कहा ''आज लोकतंत्र खतरे में है। स्थिति यह है कि सच बोलने वाले को देशद्रोही करार दे दिया जाता है। बार बार हम पर सवाल उठाया जाता है कि हमने 70 साल में क्या किया ? अगर हमने 70 साल में कुछ नहीं किया होता तो यह सवाल करने वाले लोग ऊंचे पदों पर नहीं बैठे होते।''

हैप्पी बर्थडे
तुम जियो हजारों साल, साल के दिन हों पचास हजार
योशिता अरुण बिडलान
को परिजनों एवं मित्रगणों की ओर से

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

गाय : धर्म के नाम पर अधर्म का व्यवसाय ?

निर्मल रानी

गौपालन को हमारे देश में शताब्दियों से गौधन अथवा पशुधन के रूप में देखा जाता रहा है। खेती किसानी करने वालों के लिये तो गौपालन कृषि के सहयोगी व्यवसाय का एक प्रमुख हिस्सा माना जाता था। परन्तु खेती बाड़ी में भी आधुनिक व उन्नत कृषि साधनों के बढ़ते प्रयोग के चलते धीरे धीरे गाय-बैलों का इस्तेमाल कम होता गया। हल-बैल की जगह ट्रैक्टर्स ने ले ली, बैलगाड़ी की जगह ट्रैक्टर ट्रॉलियां चलने लगीं,तो ज़ाहिर है गोवंश के महत्व व उसकी उपयोगिता में कमी आ गयी। परन्तु इसी के साथ साथ गोवंश का हिन्दू धर्म में धार्मिक महत्व होने के चलते यहाँ तक कि हिन्दू धर्म में गाय को माता के रूप में स्वीकार किये जाने के चलते इसके प्रति आम हिन्दुओं की धार्मिक भावनायें भी जुड़ी हुई हैं । और भावनाओं की राजनीति करने में देश की सबसे माहिर भारतीय जनता पार्टी इस तरह के मुद्दों को न केवल भुनाती आई है बल्कि गौवंश की सुरक्षा के नाम पर अपने विपक्षियों पर भी हमलावर होती रही है।

परिणाम स्वरूप जिस तरह पिछले दिनों भोपाल के निकट बैरसिया तहसील में कथित रूप से एक भाजपा नेत्री की गोशाला में व इसके इर्द गिर्द के खुले मैदान एवं खेतों में सैकड़ों गायों के सड़ते हुये शव व गोवंश के कंकाल पाये गये हैं इसी तरह की अनेकानेक घटनायें भाजपा व सत्ता के संरक्षण में चलने वाली अनेक गौशालाओं में पहले भी हो चुकी हैं।सत्ता संरक्षण में चलने वाली इन गौशालाओं में पाई जाने वाली अनियमिता,भ्रष्टाचार व क्रूरता के बावजूद सरकार पर ऐसे गौशाला संचालकों को बचाने व इनका सहयोगी बनने का भी आरोप लगता रहा है। इसका केवल एक ही कारण है कि गौमाता का बखान करने व इसे गौमाता के रूप में आम लोगों की भावनाओं से जोड़ने वाली भाजपा व इसकी सरकारों में गौवंश संरक्षण के लिये न तो कोई स्पष्ट नीति है न ही नीयत। देश के अधिकांश रायों विशेषकर उत्तर भारत के रायों में किसान छुट्टा व बेलगाम घूमने वाले इन पशुओं से कितना परेशान हैं यह वही जानते हैं। एक तरफ़ तो घाटे की खेती बाड़ी करता किसान,बीज,बिजली,तेल, खाद आदि की आसमान छूती क़ीमतों के बावजूद केवल खेती की परंपरा निभाता छोटा व मध्यम किसान अपनी फ़सल को इन बेलगाम छुट्टा पशुओं से बचाने के लिये दिन-रात कैसे अपनी फ़सल की रखवाली करता है यह उस राजनैतिक वर्ग को नहीं पता जो गाय के नाम का प्रयोग केवल हिन्दू समाज के लोगों की भावनाओं को भड़काने के लिये करते हैं। छुट्टा गौवंश से जो किसान दुखी हैं या जिनकी तैयार फ़सलें ये पशु चर जाते हैं वे भी तो अधिकांशतः हिन्दू ही हैं? वे भी तो गाय को माता ही मानते हैं ?

सरकार की गौवंश के प्रति अदूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम है कि आज प्रतिदिन पूरे देश में सैकड़ों दुर्घटनायें इन्हीं छुट्टे जानवरों के कारण हो रही हैं। कई बार भीड़ भरे चौराहों व सड़कों पर सांडों का संघर्ष होते व इसके कारण कारों व अन्य वाहनों को दुर्घटनाग्रस्त होते व टूटते देखा गया है। सड़कों व चौराहों के बीचोबीच बैठना इन जानवरों की फ़ितरत है जिसका ख़ामियाज़ा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। कई रायों में सरकार ने बिजली के मीटर घरों के बाहर और अधिकांशतयः बिजली के खंबों पर ही लगवा दिये हैं। प्रायः गोवंश इन बिजली मीटरों से अपनी सींग व सिर रगड़ते दिखाई देते हैं। नतीजतन बिजली के मीटर तो क्षतिग्रस्त होते ही हैं साथ साथ इन पशुओं को करेंट लगने का ख़तरा भी बना रहता है।परन्तु तथाकथित गौवंश प्रेमियों की नज़र इस ज़मीनी हक़ीक़त की ओर कभी नहीं जाती। देश और रायों की राजधानियों में बैठ कर गाय के प्रति प्रेम दर्शाने वालों को उन करोड़ों किसानों से इस समस्या को लेकर भुक्तभोगी देशवासियों से भी तो संवाद स्थापित करना चाहिये।

वैसे भी केंद्र सरकार का गोवंश प्रेम उस समय और भी हास्यास्पद प्रतीत होता है जब गौमाता के संरक्षण का दावा करने वाली इसी सरकार के गृह राय मंत्री किरण रिजुजू गौ भक्षण की पैरवी करते हों और स्वयं भी गौमांस खाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हों। ग़ौर तलब है कि जब केंद्रीय मंत्री मुख़्तार अब्बास ने संभवतः अपने आक़ाओं को खुश करने के लिये अपने एक बयान में यह कहा था कि- अगर कुछ लोग बीफ़ खाने के लिए मरे जा रहे हैं तो यहां (भारत में) उन्हें यह नहीं मिलेगा। वे पाकिस्तान, किसी अरब देश या दुनिया के अन्य किसी भी हिस्से में जाकर बीफ़ खा सकते हैं। नक़वी के इसी निर्देश का जवाब इसी मंत्रिमंडल के गृह राय मंत्री किरण रिजुजू ने इन शब्दों में दिया था कि - मैं गोमांस खाता हूं, क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है । गृह राय मंत्री ने उसी समय यह भी कहा था कि -हमें एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी लोगों की संस्कृति, परंपराओं, आदतों और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर ज़्यादा संवेदनशील होने की ज़रूरत नहीं है। हमारा देश लोकतांत्रिक है, कभी-कभार कुछ लोग ऐसे बयान देते हैं, जो स्वीकार्य नहीं। नक़वी को दिये गये किरण रिजुजूके इस जवाब से तो यह स्पष्ट हो ही जाता है कि राष्ट्रीय गौनीति को लेकर ही सरकार में मतभेद स्पष्ट है।

पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय से संबध दिल्ली के प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज के सैकड़ों छात्रों द्वारा केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध इसलिये प्रदर्शन किया गया क्योंकि सरकार हंसराज कॉलेज में महिला छात्रवास हेतु चिन्हित किये गये स्थान पर गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र खोलने की योजना बना रही है। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकता छात्राओं के लिये छात्रावास होना चाहिये न कि विश्वविद्यालय परिसर में गौशाला व गौ अनुसन्धान। परन्तु सरकार की योजनाओं में गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र व साथ साथ गऊ से प्राप्त सामग्री से हवन-पूजा आदि करने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। सरकार द्वारा गौवंश प्रेम का ढिंढोरा पीटना और साथ ही इसे लेकर दोहरी नीति अपनाना साथ साथ गाय के नाम पर लोगों की भावनाओं को भड़काकर उसका राजनैतिक लाभ उठाना और गोशाला व गौपालन के नाम पर राष्ट्रव्यापी लूट करने वालों को कथित रूप संरक्षण देना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफ़ी है कि यह सब धर्म के नाम पर हो रहा अधर्म का व्यवसाय मात्र ही है ?

सम्पादकीय

प्रजातंत्र के स्तंभों में टकराव

ओमप्रकाश मेहता

अब एक बार फिर प्रजातंत्र के तीन स्तंभों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच अधिकारों व सर्वोच्चता को लेकर संघर्ष की स्थिति निर्मित हो रही है, जबकि हमारे संविधान ने इन तीनों स्तंभों को अलग-अलग अधिकार व सीमाएं तय कर रही है, किंतु आज इन तीनों स्तंभों में ÷सर्वोच्चता÷ की स्पर्द्धा चल रही है और सब एक दूसरे को अपने अधीन बता रहा है। जबकि संविधान ने स्पष्ट हिदायत दी है कि प्रजातंत्र के तीनों स्तंभ अपनी-अपनी सीमा में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इस वर्ष जबकि हमारा देश अपने संविधान का तिहत्तरवां स्थापना दिवस मनाने जा रहा था, उसके ठीक एक दिन पहले माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं के सामने सरकारी खर्च पर परोसे जा रहे लोक लुभावन नारों व वादों को लेकर चिंता व्यक्त की तथा केन्द्र व चुनाव आयोग से इस सम्बंध में जवाब तलब किया, वैसे देखा जाए तो न्यायपालिका व चुनाव आयोग दोनों की स्वतंत्र संगठन है, जिन पर केन्द्र सरकार या विधायिका का कोई नियंत्रण नहीं होता, किंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस आम जनहित के मामले को स्वयं संज्ञान में लेते हुए केन्द्र व चुनाव आयोग को जवाब देने हेतु नोटिस जारी किए तथा एक महीनें में जवाब तलब किए है। अब चुनाव आयोग व केन्द्र सरकार सर्वोच्च न्यायालय को इस नोटिस का क्या जवाब देते है? या देते भी है या नही यह तो भविष्य के गर्भ में है, फिलहाल तो केन्द्र व चुनाव आयोग यही तय करने में व्यस्त है कि इस नोटिस का जवाब देना ठीक रहेगा या नहीं?

वैसे पिछली कई बार केन्द्र पर यह आरोप लगाए जा चुके है कि वह अपनी सर्वोच्चता सिद्ध करने के लिए चुनाव आयोग को नियंत्रण में रखने का प्रयास करता रहा है, जिसका ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल का है, जहां वहां की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने केन्द्र सरकार पर चुनाव आयोग को नियंत्रण में रखने के गंभीर आरोप लगाए थे और इन आरोपों में कुछ अंशों तक सत्यता पाई भी गई थी, क्योंकि चुनाव आयोग ने वही किया जो केन्द्र चाहता था। अब यह संयोग था या वास्तविकता यह स्पष्ट नहीं हो पाया, किंतु इस गंभीर आरोप का देश का माकूल जवाब नही मिला यह सब जानते है।

अब ताजे घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट के वे नोटिस सामने आये है, जिनमें केन्द्र व चुनाव आयोग से पूछा गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान करीब-करीब सभी राजनीतिक दल सरकारी खर्च पर चुनावी वादे करते है और मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास करते है, उसके लिए चुनाव आयोग की केन्द्र सरकार क्या कदम उठाने जा रही है? और इस अहम सवाल के जवाब में केन्द्र व चुनाव आयोग दोनों मौन इसलिए है क्योंकि चुनाव आयोग पर केन्द्र का दबदवा है और केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ही सुप्रीम कोर्ट के सवाल का सबसे अहम सबब है, उत्तरप्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान जो कुछ चल रहा है, भाजपा व सपा दोनों ही जिस तरह के सरकारी खर्च वाले चुनावी वादे लिखित रूप से मतदाताओं के सामने परोस रहे हैं उन्हीं को लेकर यह अहम सवाल उठाया गया है, अब ऐसी स्थिति में केन्द्र व चुनाव आयोग क्या जवाब दे? किंतु यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट ऐसे सवाल उठाकर अपने प्रति समर्थन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही है। और.... इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को भारत का आम देशवासी अपना सबसे बड़ हित चिंतक मानने लगा है अब इसी कारण देश के आम मतदाता का न तो विधायिका (सरकार-संसद) पर भरोसा रहा और न ही कार्यपालिका पर, क्योंकि कार्यपालिका तो शुद्ध रूप से केन्द्र के ही अधीन है, वह वही करती आई है, जो केन्द्र सरकार चाहती है, और केन्द्र के निर्देशों को मूर्तरूप देने में इसी अंग की अहम भूमिका भी है।

अब केन्द्र सरकार या विधायिका (संसद) की अधिकार लिप्सा इतनी अधिक बढ़ती जा रही है कि वह चुनाव आयोग जैसे स्वतंत्र संगठनों पर कब्जे के बाद देश की न्यायपालिका को भी अपने कब्जे में करना चाहता है, जिससे पूरे देश व स्वतंत्रता के तीनों प्रमुख अंगों पर उसका कब्जा रहे और वह निरंतर एकतंत्र की घातक रास्ते की ओर बढ़ता रहे? केन्द्र के इसी मंसूबे से चिंतित सुप्रीम कोर्ट ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इस तरह की चिंता व्यक्त कर अपनी आशंकाओं का केन्द्र व चुनाव आयोग से जवाब मांगा? साथ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने यह भी जोड़ा कि यह गंभीर मुद्दा है और ज्यादा चुनावी वादे करने वाले दल फायदे में रहते है और सभी को समान स्तर पर चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिल पा रहा है।

आज देश में एक ओर जहां सुप्रीम कोर्ट केन्द्र व चुनाव आयोग के इस तालमेल से चिंतित है, वहीं दूसरी ओर देश में कानून व संविधान विशेषज्ञों द्वारा यह सवाल उठाया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर संसद में विचार-परिचर्चा व वाद-विवदा हो सकती है या नहीं? संविधान विशेषज्ञ उल्हास बापट ने यह सवाल उठाया है उनका कहना है कि भारत का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है, इसमें समय के अनुरूप जनहित में संशोधन करने की अनुमति भी है, इसके सामने देश के सभी नागरिक समान है और सभी को समान अधिकार भी प्राप्त है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी कुछ प्रतिबंधों के साथ प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट की प्रासंगिकता का उदाहरण देते हुए श्री बापट का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की सेक्शन-377 (होमोसेक्स्यूलिटी) के प्रावधानों को गैर संवैधानिक करार दिया है इसके बावजूद आईपीसी में अब तक कोई बदलाव नहीं किया गया है, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर विचार करते हुए संसद को कानून में बदलाव करना चाहिये, लेकिन आज तक कोई संशोधन नहीं हुआ है, श्री बापट का कहना है कि यही एक नहीं ऐसे सुप्रीम कोर्ट के कई ऐतिहासिक फैसले है जिन पर संसद को विचार कर संविधान में जरूरी संशोधन करने चाहिये थे, जो अब तक नहीं किये गए।

यूपीः हिन्दू मुसलमान से राजपूत ब्राह्मण तक

शकील अख्तर

पता नहीं मुख्यमंत्री योगी ने क्षत्रिय हूं सोच समझ कर बोला या अंदर का जातीय अहंकार अनायास ही सामने आ गया। मगर प्रियंका गांधी ने खुशी दुबे की बहन नेहा तिवारी को सोच समझ कर चुनाव मैदान में उतारा है। खुशी दुबे कौन है उससे शायद आज यूपी में कोई अपिरचित नहीं है और ब्राह्मण तो बिल्कुल नहीं। यूपी के ब्राह्मणों के सीने में जो चोट कम उम्र की लड़की खुशी दुबे को जेल भेजने से लगी थी उस पर प्रियंका ने मरहम लगा दिया।

कांग्रेस ने कहा कि खुशी दो दिन पहले ही ब्याह कर अमर दुबे के घर आई थी। लेकिन उसे षडयंत्र में शामिल मानकर जेल में डाल दिया गया। अमर कानपुर में गेंगस्टर विकास दुबे का शूटर था। विपक्षी दलों का कहना था कि जो लड़की दो दिन पहले ससुराल में आई हो वह पति के अपराध में कैसे शामिल हो सकती है? कांग्रेस का आरोप है कि खुशी दुबे ब्राह्मण है इसलिए यूपी में ठाकुरवाद का शिकार हुई है। ठाकुरवाद के कारण उसे न्याय नहीं मिल रहा है। जब खुशी दुबे की मां गायत्री तिवारी प्रियंका गांधी से मिलीं तो उन्होंने खुशी को इंसाफ दिलाने की बात कहते हुए टिकट का फैसला किया। और सोमवार को उनका नाम घोषित कर दिया। लेकिन कांग्रेस का आरोप है कि आखिरी मिनट में गायत्री का नाम वोटर लिस्ट से कटवा दिया गया। जबकि पिछले पांच चुनावों से वे वोट डाल रही थीं। फिर मंगलवार को कांग्रेस ने उनकी जगह खुशी की बहन नेहा तिवारी को चुनाव मैदान में उतारा।

अभी तक महिला और युवाओं के आदर्शवादी और थोड़े अमूर्त अजेंडे पर प्रियंका काम कर रहीं थी। मगर ब्राह्मण अत्याचार का मुद्दा उठाकर उन्होंने यूपी की राजनीति में नई हलचल मचा दी।

हालांकि इसकी शुरूआत भी हिन्दू मुसलमान करने वालों ने ही की थी। हिन्दू मुसलमान करते हुए वे राजपूत ब्राह्मण पर आ गए। ब्राह्मण पहले से खुद को भेदभाव का शिकार बता रहे थे ऐसे में मुख्यमंत्री का खुद को राजपूत बताकर अभिमान व्यक्त करने से मामला और तूल पकड़ गया। राज्य के ब्राह्मण मंत्री, सांसद और विधायक पिछले काफी समय से पार्टी में सबसे मिलकर यह शिकयात कर रहे थे कि सरकार में उनकी बिल्कुल नहीं सुनी जाती है।

हालत इतनी गंभीर है कि राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा जो खुद कभी यूपी में बड़े प्रभावशाली मंत्री रहे हैं वे भी ब्राह्मण, मंत्रियों, सांसदों की शिकायती बैठक में शामिल हुए। यूपी के इन्चार्ज महासचिव अशोक प्रधान से राज्य के ब्राह्मण मंत्री, सांसदों की मुलाकात हुई। फिर पार्टी अध्यक्ष नड्डा से। मगर कोई समाधान नहीं निकला। प्रधानमंत्री मोदी चाहते थे कि उनके विश्वसनीय जो आईएएस अफसर अरविन्द शर्मा नौकरी छुड़ाकर यूपी भेजे गए थे वे ऐसे नाजुक मामलों को देखें मगर उन्हें भी कोई मौका नहीं दिया गया। अंत में पार्टी ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री, राज्यसभा सदस्य और गोरखपुर की भाजपा की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी विरोधी माने जाने वाले शिवप्रताप शुक्ला की एक कमेटी बनाई कि वे राज्य में ब्राह्मणों के इन आरोपों को देखें कि उनके साथ भेदभाव हो रहा है और राज्य में ठाकुरवाद हावी है।

यही सवाल एक पत्रकार ने मुख्यमंत्री से पूछा जिसके जवाब में उन्होंने अपनी जाति बता दी। कहा जाता है कि जात न पूछो साधु की। यहां तो पत्रकार ने पूछी ही नहीं थी और योगी जी ने खुद ही गर्वित भाव से बताना शुरू कर दी।

पुराने लोगों को याद होगा कि कि करीब चालीस साल पहले देश भर की दीवारों पर लिखा गया था कि गर्व से कहो हम हिन्दू हैं। वही गर्व अब जाति बताने में आ गया है। संघ के लोग हमारे बहुत पुराने दोस्त रहे हैं। 1975 में जब इमरजेन्सी लगी तब कई मित्र और जानने वाले जेल गए। हमारी राजनीतिक विचारधारा उनसे अलग थी। लेकिन उन दिनों इतना तल्ख माहौल नहीं हुआ करता था। संयुक्त छात्र संघर्ष समिति, संयुक्त जनसंघर्ष मोर्चा, नागरिक समिति और ऐसे ही कई मंच छात्रों की लड़ाई लड़ने और जन समस्याओं को उठाने के लिए बनते थे। जिनमें सभी विचारधाराओं के लोग शामिल होते थे। उनमें आपस में खूब बहसें भी होती थीं और साथ मिलकर संघ्रर्ष भी। तब आरएसएस के लोग तो सामने नहीं आते थे, मगर विद्यार्थी परिषद, जनसंघ के लोग होते थे।

तो उस समय जब इमरजेन्सी में संघ को लोगों सहित, जनसंघ, समाजवादी, सीपीएम के लोग जेल गए तो उनसे मिलने खूब जेल जाते थे। कोई बंदिश नहीं थी। कोई जासूसी नहीं होती थी। कोई मना नहीं करता था। दोस्ती थी, संबंध थे तो उनके घर भी हालचाल लेने जाते थे। कुछ परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा तो वह भी देखते थे। छोटे शहरों के पारस्परिक संबंधों में जैसा भाईचारा होता है वह था। मगर जेल से आने के बाद 1977 के चुनाव में माहौल थोड़ा तल्ख हुआ। राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप ज्यादा लगे। और जनता पार्टी के लोकसभा जीतने के बाद जब मध्यप्रदेश और अन्य राज्यों की विधानसभाएं भंग करके नए चुनाव हुए थो उनमें माहौल और तीखा हो गया।

मगर व्यक्तिगत रूप से एक दूसरे पर जाति और धर्म के आधार पर हमले नहीं हुए। एक लिहाज था जो बना रहा। परिवारों के बीच पीढ़ियों से जो संबंध थे उनमें दरार नहीं आई। एक दूसरे के घर आने जाने में कोई फर्क नहीं पड़ा। ईद पर वैसे ही लोग आते रहे। होली दिवाली पर वैसे ही हम दोस्तों के यहां जाते रहे।

उस समय संघ के लोगों से बहुत बातचीत होती थी। सरकार आने के बाद कई चीजें वे थोड़ा खुलकर कहने लगे थे। माहौल में चूंकि हिन्दू मुसलमान का फर्क नहीं था इसलिए वे ज्यादा खुलकर नहीं कहते थे। मगर समझ में आता था कि विभाजन की राजनीति के बीज बोए जाने लगे हैं। बाद में जब पत्रकारिता में आए तो बड़े नेताओं से भी इस बारे में बात होती थी कि नफरत के जरिए कैसे देश ताकतवर बन सकता है? नई पीढ़ी जो यह नफरत सीख रही है उससे उसका विकास कैसे अवरुद्ध हो रहा है? हमारे साथ के लोग जो ज्यादा भाइचारे, प्रेम सत्य और खुले के माहौल में पले बढ़े उनके व्यक्तित्व का ज्यादा विकास हुआ। चीजों की समझ ज्यादा गहराई लिए हुए थी।

मगर बाद में जब गर्व से कहो मैं हिन्दू हूं कहकर सारा जोर धर्म पर दिया गया तो फिर बाकी सब चीजें बेमानी होना शुरू हो गईं। शिक्षा, प्रेम, पारिवारिक संस्कार, भाईचारा सब पर धार्मिक गर्व हावी हो गया। और जब गर्व करने की वस्तु धर्म ही है तो फिर गुणों, मूल्यों की क्या जरूरत?

और यह सिर्फ किसी एक धर्म की बात नहीं है। कोई भी धर्म चाहे वह इस्लाम हो या सिख हों अगर सिर्फ धार्मिक गर्व की भावनाओं से ही भरे रहे तो वे कुछ और अच्छा करने की सोच ही नहीं सकते। उसी दौर में पंजाब में सिखों की धार्मिक भावनाएं भड़कीं। मुसलमानों में पाकिस्तान एक इसका एक बड़ा उदाहरण है। वहां सारा जोर इस्लाम और मुसलमान पर देने के फायदे तो आज तक कोई सामने नहीं आ पाए। मगर इसकी प्रतिक्रिया में भाषाई और क्षेत्रीय पहचान के सवाल ज्यादा तेज हो गए। और नतीजे में बांग्ला देश एक अलग मुल्क बन गया।

आज यह बात हिन्दू, मुसलमान सहित हर धर्म के लोगों को समझना चाहिए कि धार्मिक गर्व की भावना जल्दी ही नफरत में बदलती है। और फिर जाति, सम्प्रदायों और दूसरी छोटी छोटी चीजों में विभक्त होती चली जाती है। अभी उपर हिन्दू राजनीति करते करते, राजपूत गर्व की भावना का उल्लेख किया। ऐसे ही मुसलमानों में इस्लाम पर गर्व करने वाले फिर अपने अपने अलग फिरके (सम्प्रदाय) बना लेते हैं। मुसलमानों में भी वहाबी, देवबंदी, बरेलवी फिरकों में लोग तेजी से बंट रहे हैं। यहां तक कि शादी ब्याह भी अपने ही फिरकों में किए जाने की नई और खतरनाक शुरूआत हो गई है।

बंटने का कोई अंत नहीं है। आदमी छोटे से छोटा होता चला जाता है। जबकि मेल मिलाप, भाईचारा इंसान को और बड़ा, सुंदर बनाता चला जाता है। दुनिया की आज तक कि प्रगति और खूबसूरती प्रेम, विश्वास और साथ चलने का नतीजा है। नफरत, नस्लीय गर्वबोध ने दुनिया को दो दो विश्वयुद्ध दिखाए हैं। इसलिए हर देश, सभ्यता अब तीसरे की कल्पना मात्र से सिहर उठती है। उसका परिणाम धरती से पूरी मानवता का सफाया है।

यूपी सहित पांच राज्यों में इस बार बहुत ही हाई वोल्टेज चुनाव हो रहा है। हर पार्टी को यह 2024 का सेमिफाइनल लग रहा है। मुद्दे विभाजन के, नफरत के एकदम जलते हुए हैं। यह आग बुझेगी। वापस स्थितियां प्रेम की, प्रगति की सामान्य होगीं यही सबको उम्मीद करना चाहिए। देश और आम जनता दोनों के लिए धर्म और जाति की राजनीति खत्म होना बहुत जरूरी है।

गरीबों को रामबाण होगी 60 यूनिट फ्री बिजली

त्रिलोक कपूर

हिमाचल में अंदाजन 22 लाख के लगभग परिवार हैं। बिजली बोर्ड के मुताबिक 4 लाख से कुछ अधिक उपभोक्ता 60 यूनिट प्रति माह से कम बिजली इस्तेमाल करते हैं और इन्हीं सब लोगों को जो बिजली की बचत करते हुए सीमित उपयोग करते हैं, ऊर्जा को बचाते हैं, उन्हें सौगात देते हुए माननीय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शून्य बिल प्रतिमाह का उपहार दिया है। 125 यूनिट तक वर्तमान 1.95 रुपए की दर को कम करके एक रुपए किया है, यानी बिजली के मूल्य से 75 फीसदी छूट मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने देकर प्रदेश की आधी आबादी का मन मोह लिया है। यह सच में प्रदेश की जनता की सेवा में रामबाण की तरह होगी। वहीं किसानों को मात्र 30 पैसे प्रति यूनिट शुल्क से काफी बड़े वर्ग को लाभ होगा। पूरे भारत में बिजली को लेकर अनेक दल योजना नीति फैसले लेते रहे हैं। दिल्ली में 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की भी बड़ी चर्चा रहती है, लेकिन कम ही लोगों को मालूम होगा कि हिमाचल में पन बिजली तो बनती है ही, बिजली उपभोक्ता अपने घर में सोलर पैनल लगा कर अपना बिल के बाद बिजली बोर्ड से ही पैसा कमा कर लाभ अर्जित कर रहा है। हिमाचल में सौर ऊर्जा अन्य राज्यों से अधिक रहती है, लेकिन उसका सदुपयोग वर्तमान सरकार में शुरू हुआ, जब घरों की छत्तों में सौर ऊर्जा के पैनल लगा कर बिजली बोर्ड ऊर्जा का खरीददार उपभोक्ता से ही बन रहा है। यह सत्य है कि हिमाचल में पनबिजली के दोहन हेतु बड़े प्रयास करने पड़ेंगे। अभी जयराम ठाकुर की सरकार ने दूसरी औद्योगिक मीट में ग्राउंड ब्रेकिंग करते हुए रेणुका, धौलासिद्ध और लुहरी पनबिजली योजनाओं में कदम आगे बढ़ाए, लेकिन बहती नदी और बांध, दोनों की अर्थव्यवस्था के अलग-अलग प्रभाव-दुष्प्रभाव हैं। यह बहस बाद में विशेषज्ञों के साथ जरूर करेंगे, लेकिन सौर ऊर्जा को उपभोक्ताओं से जोड़ कर हिमाचल की जनता के वास्तविक हक को दिलवाने के काम की नींव जयराम ठाकुर की सरकार ने रखी है।

बिजली की रॉयल्टी को लेकर जब पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने हिमाचल अधिकार यात्रा निकाली थी तो हिमाचल वासियों को उस समय लगता था कि रॉयल्टी मिलते ही हमें बिजली सस्ती या मुफ्त मिलेगी। शांता कुमार जी के बाद भाजपा की प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने पूरे देश के बिजली बोर्डों की तुलना में सबसे सस्ती बिजली की दरें कर दी। लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने फिर मीटर रेंट को बढ़ा कर कान को घुमा कर पकड़ने की शुरुआत की। धूमल सरकार ने बिजली बोर्ड के सुधारों के लिए कई काम किए। ट्रांसमिशन लॉस यानी बहती हुई बिजली में कई प्रकार के नुकसान हो रहे थे, उसे रोकने के लिए ट्रांसमिशन की उचित रखरखाव के लिए अलग इदारा बनाया गया ताकि नुकसान से बचा जा सके। गर्मियों और सर्दियों में बिजली खरीदने-बेचने के लिए अलग-अलग राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। लेकिन दूसरी तरफ बिजली बोर्ड में फील्ड स्टाफ की कमी होती जा रही थी। बिजली जाने की शिकायतों को सुनने वाले भी नहीं थे। जयराम ठाकुर ने 795 टी-मेट को नौकरी देकर बहुत बड़ा काम किया। दिल्ली में बिना योजना के 300 यूनिट फ्री देकर बिजली की आंख मिचौली देश ने देखी है। दिल्ली अब इन्वर्टर का महानगर बन गया है। वास्तव में केजरीवाल की इन्वर्टर कंपनी से फंडिंग मिलने के अपुष्ट समाचार भी लोगों की जुबान पर हैं। वहीं हिमाचल में बिजली 24 घंटे मिलती है। फाल्ट पड़ते ही 30 मिनट में ठीक किया जाता है। हिमाचल में 60 यूनिट मुफ्त, 125 यूनिट तक सस्ती बिजली, सोलर पैनल लगे घरों में बिजली की खरीद होने के बाद निर्बाध बिजली मिलना सुशासन की निशानी है। याद करें तो उत्तरी ग्रिड खराब होने से 2013 व 2017 में अंतिम बार कांग्रेस सरकार में 18 घंटे व 4 घंटे का लंबा कट हिमाचल में लगा था, लेकिन अब यह बातें पुरानी हो गई हैं। इस बार तो शिमला में इतनी बर्फबारी के बाद भी बिजली आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। लेकिन चुनौतियां कहां कम हैं। वर्तमान हिमाचल सरकार केंद्र के सहयोग से डट कर सामना कर रही है। बहुत पुराने बिजली के नेटवर्क को नया करने का बीड़ा उठाया है। सब स्टेशनों की संख्या जहां 25 प्रतिशत इसी कार्यकाल में बढ़ी है। हिमाचल बिजली सरप्लस राज्य है। यहां हम और बिजली पैदा कर अपने लोगों को राहत दे सकते हैं।

यह बात जयराम ठाकुर ने महसूस की। उन्होंने महसूस किया कि गरीब परिवार में कैसे बिजली के बिल को देने के लिए संघर्ष किया जाता है। उन्होंने महसूस किया कि बचपन में खुद उन्होंने बिजली के बिना कैसे पढ़ाई की है, और 25 जनवरी 2022 को ऐतिहासिक घोषणा कर हिमाचल वासियों का दिल जीत लिया। हिमाचल वासी भी इसके पात्र हैं। हिमाचल का गरीब कभी बिजली की चोरी नहीं करता। हिमाचल के नागरिक कोई कुंडी लगा कर अपराध नहीं करते। जयराम ठाकुर यहीं नहीं रुके। उन्होंने ग्राम पंचायत और नगर निगम की एनओसी के बिना भी नया बिजली कनेक्शन मिलने की घोषणा भी अब कर दी है। इसके अतिरिक्त 20 किलोवाट से कम क्षमता के घरेलू बिजली कनेक्शन लेने के लिए पहचान पत्र और संपत्ति के मालिकाना हक के प्रमाणपत्र ही बोर्ड को देने होंगे। बिजली सुधारों की शुरुआत के लिए भी भाजपा सरकार का यह कार्यकाल जाना जाएगा। अभी तो यह शुरुआत है। जयराम ठाकुर के अनुभव, शैली, कार्यप्रणाली, सादगी और साफगोई से हिमाचल विकास की नई इबारतें लिखने को अब तैयार है। हिमाचल मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज, मुफ्त बिजली देने वाला अग्रणी और हर क्षेत्र में उन्नति करने वाला राज्य बन गया है। अस्पताल में 56 टेस्ट मुफ्त, हिम केअर में 5 लाख तक इलाज मुफ्त, गृहिणी योजना में गैस के दो सिलेंडर-चूल्हा मुफ्त, इसके बाद वृद्धावस्था पेंशन, बीमार लोगों को सहारा योजना के साथ सामाजिक कल्याण की योजनाओं में पात्र सीमा 35 हज़ार से 50 हज़ार करने से भी प्रदेश की जनता का विश्वास सरकार पर बढ़ा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

‘ई-सोमनाथ’ के रचनाकारों को मानदेय प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया

■ भावनगर

भावनगर रेलवे मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की साहित्यिक रूची उजागर करने के उद्देश्य से छमाही ई-पत्रिका ‘ई-सोमनाथ’ जारी की जाती है। इस पत्रिका में साहित्यिक रूची रखने वाले रचनाकारों की रचना/कविता/लेख/कहानी प्रकाशित की जाती है।

इन रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए रेल प्रशासन की ओर से प्रचलित प्रणाली अनुसार मानदेय प्रदान किया जाता है। इस बार सितंबर, 2021 के छमाही अंक में मंडल के 5 कर्मचारियों को उनकी रचना प्रकाशित होने पर मानदेय देकर सम्मानित किया गया। कर्मचारियों के नाम एवं उनकी रचना निम्नानुसार है- कमलेश कुमार शर्मा (लिजिंग इंचार्ज - वाणिज्य) - महामारियों के प्रकोप और इतिहास पर उसके प्रभाव (लेख), अक्षय एम. देसाई (सिनियर सेक्शन इंजीनियर, वेरावल) - और मैं जी गया (कविता), उमेश चंद (वरिष्ठ लिपिक, वेरावल) - रेल सेवा (कविता), निलेश कुमार सिंह (रेलवे सुरक्षा बल, भावनगर टर्मिनस) - राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान (लेख) एवं विनोद कुमार मीणा (मुख्य नर्सिंग अधीक्षक चिकित्सा, भावनगर परा) - अवचेतन मन के चमत्कार (लेख)।

योजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए लाभकारी है

सीएम चौहान ने केन-बेतवा परियोजना के लिए धन आवंटन का स्वागत किया

■ भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पेश हुए आम बजट में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना को 44,605 करोड़ रुपए आवंटित करने के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि डिजिटल मुद्रा पेश करने की नई पहल से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। बजट भाषण में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केन-बेतवा नदियों को जोड़ने की 44,606 करोड़ रुपए की लागत वाली योजना को नौ लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए क्रियान्वित करने की घोषणा की। यह योजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए लाभकारी है। घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चौहान ने एक ट्वीट में कहा, उदार आवंटन के लिए दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति आभार। यह परियोजना को गति देगा और बुंदेलखंड क्षेत्र में लाखों लोगों के लिए समृद्धि और

विकास लाएगा। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में यह भी प्रस्तावित किया कि भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल अर्थव्यवस्था और कुशल मुद्रा प्रबंधन के लिए अगले वित्त वर्ष में डिजिटल मुद्रा पेश करेगा। चौहान ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताया और कहा कि इससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, डिजिटल मुद्रा अधिक मजबूत, कुशल, विश्वसनीय भुगतान विकल्प की ओर ले जाएगी। इससे नकदी पर निर्भरता कम होगी और राष्ट्र के प्रति सम्मान बढ़ेगा। चौहान ने किसानों के कल्याण के बारे चिंतित होने के लिए भी प्रधानमंत्री की सराहना की। उन्होंने कहा, यह होती है किसान हितकारी सरकार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार 2022-23 में 163 लाख किसानों से।,208 मीट्रिक टन धान-गेहूं खरीदेगी और अब सीधे किसानों के खाते में एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) जाएगा।

अन्नदाता की इतनी चिंता करने के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि केंद्र गरीबों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है और मोदी के कुशल नेतृत्व में उनका

चौहान ने आगे कहा कि केंद्र ने बुनियादी ढांचे के आवंटन में 35 प्रतिशत की वृद्धि की है और इससे विकास के साथ-साथ रोजगार भी पैदा होंगे।

अपना मकान बनाने का सपना साकार हो रहा है। चौहान ने कहा कि 2022-23 का बजट आम आदमी की आकांक्षाएं और आशाएं पूरी करेगा। एक अन्य ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा, एक स्टेशन, एक उत्पाद का यह अभूतपूर्व निर्णय छोटे किसानों और उद्यमियों के जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन लाने वाला सिद्ध होगा। चौहान ने आगे कहा कि केंद्र ने बुनियादी ढांचे के आवंटन में 35 प्रतिशत की वृद्धि की है और इससे विकास के साथ-साथ रोजगार भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों को विकास के लिए अधिक धन प्राप्ति का अवसर मिलेगा।

भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी द्वारा 71 वां फाउंडेशन डे मनाया गया

■ वडोदरा

भारतीय रेलवे के प्रतिष्ठित संस्थान वडोदरा के भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी (एनएआईएर) ने अपना 71वां स्थापना दिवस (फाउंडेशन डे) उल्लासपूर्वक मनाया।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार टेलर ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व वित सचिव, भारत सरकार एवं कुलपति, गुजरात केन्द्रीय विश्वविधालय, गांधीनगर डॉ. हसमुख अढ़िया, (रिटायर्ड आइएएस) उपस्थित रहे। यह समारोह अकादमी के महानिदेशक संजय पाल सिंह चौहान के ऊर्जावान नैत्रत्व व देखरेख में आयोजित हुआ। भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी ने गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी अकादमी का ‘विशिष्ट स्नातक पुरस्कार’ प्रदीप कुमार, आइआरएसएसई (सेवानिवृत), पूर्व सदस्य (अवसंरचना),रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय, नई दिल्ली को दिया गया जो कि भारतीय रेल सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1981 बैच के वरिष्ठ व अनुभवी अधिकारी रहे हैं। कार्यक्रम में पिछले वर्ष विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों के नामों को अनाउन्स कर उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महानिदेशक भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी एस पी एस चौहान और उप-महानिदेशक डॉक्टर कमलेश गोसाईं ब अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान फाउंडेशन प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रोबेशनर अधिकारियों द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में देशभक्ति से ओतप्रोत एक लघु कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। वर्तमान कोरोना महामारी को देखते हुए सभी उचित प्रोटोकोल का पालन किया गया। वर्तमान में प्रशिक्षण पा रहे फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारीगण और संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने सेना की उत्तरी कमान का कार्यभार संभाला

जम्मू। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को उधमपुर में सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभाल संभाल लिया। लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी के सोमवार को सेवानिवृत्त होने पर लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने यह पद संभाला। अपने 40वर्ष के शानदार करियर में लेफ्टिनेंट जनरल जोशी ने भारतीय सेना में अनेक अहम पदों पर सेवाएं दीं। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने ट्वीट किया, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को उत्तरी कमान का कार्यभाल संभाल लिया। एक समारोह में सैन्य कमांडर ने उधमपुर में ध्रुव युद्ध स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अनिल कुमार लाहोटी ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया

■ मुंबई

मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। लाहोटी ने आईआईटी रुड़की (पूर्व रुड़की विश्वविद्यालय) से मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (स्ट्रक्चर) की डिग्री प्राप्त की है। वे भारतीय रेलवे सेवा इंजीनियर के 1984 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। अनिल कुमार लाहोटी को रेलवे में विविध पदों पर कार्य करने का गहन अनुभव प्राप्त है। इन्होंने मध्य रेल से अपनी रेल सेवा शुरु की और नागपुर, जबलपुर (अब पश्चिम मध्य रेलवे पर) और भुसावल मंडल और मध्य रेल मुख्यालय में 1988 से 2001 तक विभिन्न पदों पर काम किया है। इन्होंने सदस्य इंजीनियरिंग,

रेलवे बोर्ड के विशेष कार्यकारी अधिकारी, मुख्य इंजीनियर (निर्माण), उत्तर रेलवे, कार्यकारी निदेशक (ट्रैक मशीन), रेलवे बोर्ड और उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य इंजीनियर के रूप में भी काम किया है। मध्य रेल के महाप्रबंधक का कार्यभार संभालने से पूर्व लाहोटी उत्तर रेलवे में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के पद पर कार्यरत थे। आपने नई दिल्ली स्टेशन को विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित करने की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें भूमि और एअर स्पेस का वाणिज्यिक विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल का विकास शामिल है। आपने दिल्ली में भीड़भाड़ कम करने के लिए आनंद विहार में दिल्ली में एक नए दिशात्मक टर्मिनल तथा नई दिल्ली स्टेशन के महत्वपूर्ण द्वितीय प्रवेशद्वार की योजना बनाई और निर्माण किया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य इंजीनियर (निर्माण) के पदों पर कार्य करते हुए आपने नई रेल लाइनों, दोहरीकरण, यार्ड रिमॉडलिंग और महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण जैसी ढांचागत परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया। अनिल कुमार लाहोटी, रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक सिविल इंजीनियरिंग (योजना) के रूप में संरक्षा, रखरखाव, पुनर्वास और स्थायी मार्ग के उन्नयन, उच्च एक्सल भार और ट्रैक पर उच्च गति के संचालन पर नीति तैयार करने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। ट्रैक रखरखाव मानदंडों पर समिति के सदस्य के रूप में, ट्रैक रखरखाव व्यवस्था को कुशल और प्रभावी बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रैक माप के आधार पर ट्रैक रखरखाव के लिए उद्देश्य रखरखाव मानदंड पर एक उद्देश्य नीति विकसित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने ट्रैक रखरखाव के मशीनीकरण और स्वचालन में बड़े पैमाने पर काम किया है ।

शिवसेना, राकांपा ने बजट को बहुत निराशाजनक बताया

एजेंसी ■ मुंबई

शिवसेना ने केंद्रीय बजट को बहुत निराशाजनक बताते हुए मंगलवार को कहा कि इसमें न तो मध्यम वर्ग को कोई राहत दी गई है और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को पांच हजार अरब (ट्रीलियन) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के दृष्टिकोण का कोई संदर्भ है। बजट के बाद, शिवसेना सांसद विनायक राउत ने कहा कि केंद्रीय बजट 2022-23 में केवल पीएम-गति शक्ति , आत्मनिर्भर भारत जैसे शब्दों की बाजीगरी है, जबकि पुरानी योजनाओं को नए के रूप में प्रस्तुत किया गया है। राउत ने संवाददाताओं से कहा, बजट बहुत निराशाजनक है। कोरोना वायरस महामारी के दौरान, देश के लोगों ने जीएसटी के रूप में 1.40 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया, लेकिन दुर्भाग्य से, करों के संबंध में जिन योजनाओं को लागू किया जाना था, उन्हें बजट में जगह नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि बजट के जरिए लोगों को गुमराह किया गया है। राउत ने कहा, बजट में आयकर के संबंध में मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं दी है। भारत को पांच हजार अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का कोई संदर्भ नहीं है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में बजट पेश किया। इस बीच, महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि केन्द्रीय बजट आम नागरिकों के लिए एक बड़ी निराशा के रूप में है, जो जबरदस्त महंगाई का सामना कर रहे हैं और वे कुछ कर राहत की उम्मीद कर रहे थे। मलिक ने संवाददाताओं से कहा, इस बजट में युवाओं, किसानों या मध्यम वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है। यह बहुत निराशाजनक है। उन्होंने सूचना और प्रौद्योगिकी पर केंद्र सरकार के बढ़ते ध्यान पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य है कि यह एक प्रौद्योगिकी-उन्मुख बजट है या देश का बजट है, जिसमें अन्य क्षेत्रों को भी शामिल किया जाना चाहिए था।

मंत्री ने पूछा, 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल दो करोड़ नौकरियों के सृजन का वादा किया था। हालांकि, आज के बजट में 60 लाख नौकरियों का सृजन करने की बात कही गई है। क्या पहले की घोषणा महज एक जुमला थी?

मुलाकात

पूर्व मुख्यमंत्री से भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने रांची में मोरहाबादी क्षेत्र के आंदोलनरत स्ट्रीट वेंडरों से मिलकर उनकी समस्यां जानी। इस दौरान स्ट्रीट वेंडरों ने उनसे मदद की गुहार लगाई।

राज्यों की सहायता के लिए 50 वर्षों के लिए एक लाख करोड़ के ब्याजमुक्त ऋण का प्रावधान स्वागतयोग्य

■ पटना

बिहार प्रदेश जदयू अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने केन्द्र सरकार द्वारा पेश किए गए साल 2022-23 के बजट को स्वागतयोग्य बताया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में तमाम संकटों के बावजूद हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती की ओर अग्रसर है और सरकार ने इस बजट में आत्मनिर्भर भारत के अपने संकल्प को ध्यान में रखते हुए अगले 25 साल का ब्लूप्रिंट पेश किया है, यह प्रसन्नता की बात है। इस बजट में युवाओं, महिलाओं और किसानों पर फोकस किया गया है।

श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि इस बजट में अगले पांच साल में 60 लाख नई नौकरियां देने, अगले तीन साल में 400 वंदे भारत ट्रेनें चलाने और अगले एक साल में 25 हजार किमी नेशनल हाइवे बनाने की घोषणा उत्साहजनक है। गांवों और शहरों में 80 लाख नए मकान बनाने की घोषणा से हमारे गरीब भाई-बहनों को राहत मिलेगी। महिलाओं के लिए तीन नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। किसानों को डिजिटल सर्विस देने, ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने, दलित किसानों की मदद करने और 2023 को मोटा अनाज वर्ष घोषित करने से कृषि क्षेत्र को लाभ मिलेगा। डिजिटल विश्वविद्यालय की घोषणा, शहरों में ई-वाहनों को बढ़ावा देना तथा ब्रॉडबैंड सुविधा को गांवों तक पहुंचाना समयानुरूप है। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बजट में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता की योजना के तहत पूर्व के 10 हजार करोड़ के प्रावधान को बढ़ाकर 15 हजार करोड़ किया गया है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यों की सहायता हेतु एक लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ये 50 वर्षीय ब्याजमुक्त ऋण पूर्व से चल रही सामान्य कर्ज योजना के अतिरिक्त है। ये बातें स्वागतयोग्य हैं, लेकिन पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए जिस तरह नई योजना प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर विकास योजना के नाम से शुरू की जा रही है और इसके लिए आरंभिक तौर पर 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जा रहा है।

केन्द्रीय बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है : मुख्यमंत्री

■ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि पिछले दो वर्षों से देश का विकास कोरोना के कारण प्रभावित रहा है। इन विषम परिस्थितियों से निकलने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा अपने बजट के माध्यम से देश के विकास की गति को बढ़ाने के लिये कई कदम उठाये गये हैं, जो सराहनीय हैं। संतुलित बजट पेश करने के लिये मैं केन्द्र सरकार को बधाई देता हूॅं। केन्द्र सरकार के द्वारा देश में बड़े पैमाने पर आधारभूत संरचना के निर्माण का निर्णय भी स्वागत योग्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा अपने संसाधनों से गंगा के दोनों किनारों के 13 जिलों में जैविक कोरिडोर विकसित किया जा रहा है। इस वर्ष केन्द्रीय बजट में गंगा के किनारे 5 किलो मीटर के स्ट्रेच में प्राकृतिक खेती का कोरिडोर विकसित करने का निर्णय लिया गया है। केन्द्र सरकार का यह कदम सराहनीय है। गया उन्होंने कहा कि इस बजट में धान एवं गेहूँ की अधिप्राप्ति को बढ़ाने का निर्णय लिया । इससे किसानों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 80 लाख नये आवास बनाने की घोषणा हुयी है। यह स्वागत योग्य है । मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों को केन्द्रीय करों की हिस्सेदारी के रूप में इस वर्ष एवं अगले वर्ष अधिक राशि प्राप्त होगी। इससे राज्य सरकारों की वित्तीय कठिनाइयां कम होंगी और राज्यों को राहत मिलेगी।

बयान रेलवे और डाक विभाग की संयुक्त पहल से वन रेलवे स्टेशन- वन प्रोडक्ट एक बेहतर पहल

केंद्रीय बजट से देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

■ पटना

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए भारत का बजट पेश किया। बिहार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश की आत्मनिर्भरता और अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी। इस बजट में हर वर्गों का ख्याल रखा गया है। उन्होंने इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 का केंद्रीय बजट दूरदर्शी और सर्वस्पर्शी है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के माध्यम से सात इंजनों के द्वारा बुनियादी ढांचा को सुदृढ़ करने की ओर ठोस कदम बढ़ाए गए हैं, जिसमें रोडवेज, रेलवेज, एयरवेज, जलमार्ग, सूचना प्रौद्योगिकी और सामाजिक अधिसंरचना शामिल है। उन्होंने कहा कि रेलवेज और डाक विभाग की संयुक्त पहल से वन रेलवे स्टेशन-वन प्रोडक्ट एक अच्छा कदम है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों के लिए मल्टी मॉडल शहरी परिवहन का प्रावधान इस बजट में किया गया है, जिसमें टू टायर और थ्री टायर शहरों के लिए राज्यों को अर्बन प्लैनिंग एवं ट्रांजिट में केंद्रीय सहयोग मिलना निर्धारित है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में 400 वंदे मातरम् ट्रेन को शुरू करने, 60 लाख रोजगार के सृजन, हाईवे पर 20 हजार करोड़ रुपए का व्यय, नल का

जल योजना में 60 हजार करोड़ का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा वर्तमान केंद्रीय बजट में स्टार्टअप को इंसेंटिव, क्रिप्टो करेंसी, डिजिटल सर्विस के लिए बेहतर प्रावधान के साथ-साथ डाकघरों में कोर बैंकिंग की शुरुआत जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि आज पेश किया गया केंद्रीय बजट किसानों के लिए भी स्वर्णिम अवसर प्रदान करेगा। तिलहन का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, किसानों को डिजिटल सर्विसेज देने, छोटे किसानों के लिए रेल इन्फ्राट्रक्चर डेवलपमेंट, जैविक खेती के प्रोत्साहन, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की रिकॉर्ड खरीदारी के बेहतर प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं। साथ ही, इस केंद्रीय बजट में डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना करने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री आवास के तहत 80 लाख गृह निर्माण का लक्ष्य रखा गया है तथा 48 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

चालू वित्तीय वर्ष में 2021-22 में केंद्रीय करों में राज्य के हिस्सा मद में बिहार राज्य का हिस्सा बजट अनुमान से पुनरीक्षित अनुमान में वृद्धि करने के लिए उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री को धन्यवाद दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इसके तहत इस वित्तीय वर्ष में बिहार को 7846 करोड़ की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी।

उच्च न्यायालय ने ट्विटर से पूछा : क्यों न इसे बंद कर देना चाहिए?

एजेंसी ■ अमरावती

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने आपत्तिजनक सामग्रियों को हटाने के अपने आदेश की अवहेलना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को कड़ी फटकार लगाई है और कारण बताने के लिए कहा है कि इस मुद्दे पर क्यों न उसे बंद कर दिया जाए। मुख्य न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एम. सत्यनारायण मूर्ति की पीठ ने सोमवार को कहा कि आदेश के पालन में ट्विटर की निष्क्रियता अदालत की अवमानना के समान है। पीठ ने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को यह बताने के लिए कहा कि उसके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए? अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए सात फरवरी की तारीख निर्धारित की है। अदालत ने ट्विटर को

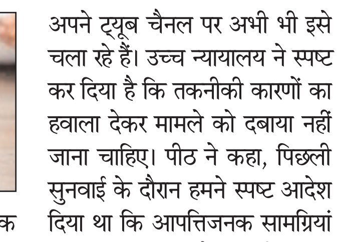

इस तारीख तक इस संबंध में एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। इससे पहले, सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सालिसीटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि सोशल मीडिया मंच अपने प्लेटफार्म से आपत्तिजनक सामग्री हटाने में सहयोग नही कर रहा है। इस पर पीठ ने ट्विटर से जानना चाहा कि उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही क्यों नही शुरू की जाए। यूट्यूब के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने अदालत के आदेशों का अनुपालन किया है लेकिन कुछ मीडिया टेलीविजन घराने अभी भी अपने ट्यूब चैनल पर अभी भी इसे चला रहे हैं। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि तकनीकी कारणों का हवाला देकर मामले को दबाया नहीं जाना चाहिए। पीठ ने कहा, पिछली सुनवाई के दौरान हमने स्पष्ट आदेश दिया था कि आपत्तिजनक सामग्रियां तुरंत हटाई जाएं। ऐसा नहीं करना अदालत की अवमानना के दायरे में आता है। यदि आपको अपनी सेवाएं जारी रखनी हैं तो आपको इस देश के कानून का सम्मान करना होगा, अन्यथा आप अपनी दुकान बंद कीजिए। अदालत सत्तारूढ वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों और समर्थकों द्वारा कथित तौर पर न्यायपालिका के खिलाफ विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक सामग्री डाले जाने का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही है।

15 ग्रैंड फिनाले के बाद करण कुंद्रा ने फुटपाथ पर पी थी बीयर

फैंस ने सुना तो दे दी ये नसीहत

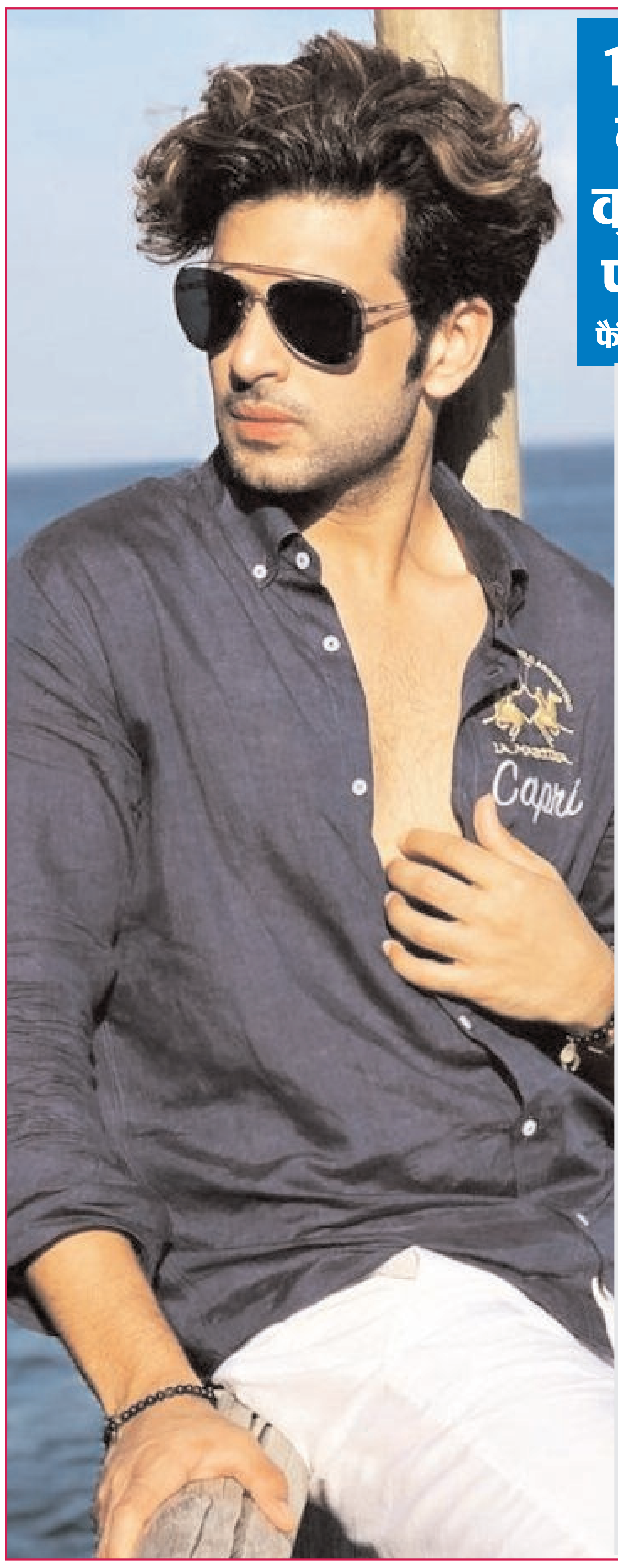

बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीतकर जहां तेजस्वी प्रकाश विनर बन चुकी हैं। वहीं करण कुंद्रा सेकेंड रनरअप और प्रतीक सेहजपाल फर्स्ट रनरअप डिक्लेयर किए गए। घर के बाहर आने के बाद सभी कंटेस्टेंट अपने-अपने तरीके से फैन्स और सपोर्टर्स को थैंक यू बोल रहे हैं। लाइव सेशन कर रहे हैं। इंटरव्यू दे रहे हैं। ऐसे में करण ने भी इंस्टा पर लाइव सेशन किया और बताया कि उन्होंने घर के बाहर आने के बाद क्या-क्या किया।

करण ने लाइव में कहा कि वह जैसे ही 5 स्टार जैसे बिग बॉस के घर से बाहर आए तो उन्होंने अपने दोस्त ओमी के साथ मस्त फुटपाथ पर बैठकर चिल्ड बीयर पी और बटर चिकन खाया, जिसे खाने का मन उन्हें लंबे समय से था। करण कहते हैं, फुटपाथ पे बैठकर बीयर पी है। मजेदा रहा है फुल फीलिंग आई है। 5 स्टार से निकलकर फुटपाथ पर बटर चिकन खाया है। इनके इस लाइव वीडियो पर फैन्स भी अपने रिएक्शन्स दे रहे हैं। एक ने लिखा, जैसे तू हारा है, तुझे देसी पीनी चाहिए थी। दूसरे ने लिखा, ओह सच में सुनकर बहुत दिल को करार आया।

करण ने लाइव में उमर का भी जिक्र किया। बताया, मुझे उमर रियाज से कल ही मिलना थआ लेकिन बहुत देर हो गई थी इसलिए मिल नहीं पाया। मुझे मैडम (तेजस्वी) से भी मिलना था क्योंकि उसका सेट पर पहला दिन था। उमर से फोन पर खूब बात होती है लेकिन मुझे पर्सनली भी उससे मिलना है।

बिंदास वाणी कपूर

बिकिनी में ही पहुंच गई सैलून

एक्ट्रेस वाणी कपूर अपनी बिंदास अदाएं, खूबसूरत तस्वीरों और वीडियो को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती है। वहीं इस बार उनका बिकिनी लुक सोशल मीडिया में धूम मचा रहा है। कई लोगों ने वाणी कपूर की दिलकश अदा पर मजेदार कमेंट्स किए हैं।

खूबसूरत हसीना वाणी कपूर बीते दिनों बिकिनी लुक में नजर आई थी। इसके बाद बिकिनी में सैलून पहुंची वाणी कपूर का एक और वीडियो सामने आया है। वाणी ने इंस्टाग्राम में यह वीडियो शेयर किया है। जिसमें वाणी सफेद रंग के आउटफिट में काफी बोल्ड लुक दे रही हैं।

वाणी अपनी दिलकश अदाओं से लोगों को दीवाना बना रही हैं। वह एक बिकिनी स्टाइल टॉप पहनकर सैलून में हेयरकट ले रही हैं। वीडियो पर लोगों ने मजेदार कमेंट कर रहे है। एक यूजर ने लिखा कि वाणी के बाल काटने वाले का दिल जोरों से धड़क रहा होगा।

सैलून पहुंची वाणी कपूर का एक और वीडियो सामने आया है। वाणी ने इंस्टाग्राम में यह वीडियो शेयर किया है। जिसमें वाणी सफेद रंग के आउटफिट में काफी बोल्ड लुक दे रही हैं।

फिर बदली कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 2' की रिलीज डेट

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म इसी साल 20 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि मेकर्स ने पहले इसे इसी साल 25 मार्च को रिलीज करने की घोषणा की थी, लेकिन उस दिन बिग बजट की फिल्म आरआरआर भी रिलीज हो रही है, इसलिए भूल भुलैया2 को आरआरआर से क्लैश से बचाने के लिए अब एक बार फिर से नई रिलीज डेट तय की गई है।

फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए फिल्म निर्माताओं ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इससे जुड़ा पोस्ट शेयर किया है।

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक के साथ कियारा आडवाणी के अलावा तब्बू और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को भूषण कुमार, मुराद खेतानी और कृष्ण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म पिछले साल 31 जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन देश में फैली कोरोना महामारी की वजह से फिल्म की शूटिंग समय से पूरी नहीं हो पाई थी, जिसके कारण फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया। भूल भुलैया 2 पहले 31 जुलाई 2020 को रिलीज होने वाली थी। फिर इसे बदलकर 19 नवंबर 2021 किया गया, लेकिन उस दिन भी यह फिल्म रिलीज नहीं की गई, जिसके बाद 25 मार्च 2022 की डेट तय की गई लेकिन आरआरआर भी उसी दिन रिलीज हो रही है, जिसकी वजह से अब यह 20 मई को आ रही है।

उल्लेखनीय है कि फिल्म भूल भुलैया 2 वर्ष 2007 में रिलीज हुई भूल भुलैया का सीक्वल है, जिसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन मुख्य भूमिका में थे। अक्षय कुमार की फिल्म भूल भुलैया एक मलयालम फिल्म की रीमेक थी। भूल भुलैया को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया था।

रानी चटर्जी के साथ सेम 2 सेम गाना में नजर आयेंगे पवन सिंह

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह अभिनेत्री रानी चटर्जी के साथ गाना सेम 2 सेम में नजर आयेंगे।

पवन सिंह सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर से पवन सिंह सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। पिछ्ले महीने 5 जनवरी को पवन सिंह के जन्मदिन पर गाना ÷आ जईहा 5 के÷ रिलीज हुआ था। अब आगामी 05 फरवरी को पवन सिंह एक और गाना लेकर आ रहे हैं, जिसका टाइटल है सेम 2सेम। इस गाने का पोस्टर सोशल मीडिया में जारी किया गया है। पोस्टर में पवन सिंह और रानी चटर्जी रोमांटिक पोज दे रहे हैं।

पवन सिंह ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर पोस्टर पोस्ट करते हुए लिखा है कि ÷आप सबके लिए बहुत जल्द लेकर आ रहा हूँ एक धमाकेदार वीडियो सांग- सेम 2सेम बॉस म्यूजिक भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर सेम 2सेम के निर्माता प्रेम राय हैं। इस गाने को पवन सिंह और प्रियंका सिंह ने गाया है। गीत आजाद सिंह, संगीत श्याम आजाद का है।

एक्टर और फिल्ममेकर अमिताभ दयाल का हार्ट अटैक से निधन

अमिताभ दयाल की हार्ट अटैक से निधन हो गया है। इससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री शोकाकुल हो गई है। एक्टर, फिल्ममेकर अमिताभ अभी कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट कर जिंदगी की जंग लड़ने का हौसला जाहिर कर रहे थे, लेकिन अफसोस कि मात्र 61 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। कोविड-19 से पीड़ित अमिताभ काफी दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। कोरोना से ठीक भी हो गए थे लेकिन दोबारा दिल का दौरा पड़ गया और उन्हें बचाया नहीं जा सका। ओम पुरी के साथ फिल्म 'कगार-लाइफ ऑन द एज' में काम किया था।

अमिताभ दयाल के निधन की जानकारी उनकी पत्नी मृणालिनी पाटिल ने दी। उन्होंने बताया कि 'आज सुबह तड़के साढ़े 4 बजे निधन हो गया। अमिताभ को 17 जनवरी को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उन्हें मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल में जांच के दौरान पता चला था कि कोरोना पॉजिटिव हैं। इलाज के बाद कोरोना से ठीक हो गए थे, लेकिन एक बार फिर हार्ट अटैक आया जिसके बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका'।

अमिताभ दयाल ने अपने इंस्टाग्राम पर अस्पताल से ही बनाया गया अपना वीडियो 4 दिन पहले ही पोस्ट किया था। उनका यह वीडियो बेहद इमोशनल है, अमिताभ अपने वीडियो में कह रहे थे कि 'नमस्कार दोस्तों आज आठवा दिन है कोविड से लड़ाई करते-करते..लड़ाई करना कभी मत छोड़िए..कोई आत्मरक्षा के लिए लड़ता है..कोई आत्मसम्मान के लिए लड़ता है..अब हम कोविड से लड़ रहे हैं आत्मरक्षा के लिए..हमे जिंदगी जीनी है..इसलिए कभी हार मत मानिए..जैसे मैं नहीं मान रहा..मैं आप लोगों से रोज मिलूंगाऽ.जय हिंद'

ये वीडियो बता रहा है कि अमिताभ दयाल अभी जिंदगी जीना चाहते थे, लेकिन कोविड-19 ने उन्हें मौका नहीं दिया। 'रंगदारी' और 'धुआं' फिल्म के अभिनेता अमिताभ की शादी मराठी डायरेक्टर मृणालिनी पाटिल से हुई थी, लेकिन शादी के 9 साल बाद ही दोनों अलग हो गए थे। इनका एक बेटा शिवम पाटिल और बेटी अमृता पाटिल है।

आखिरकार अनाउंस हुई बिग बी की 'झुंड' की रिलीज डेट, दमदार पोस्टर भी आउट

महानायक अमिताभ बच्चन की मोस्ट अवेटेड फिल्म झुंड की रिलीज डेट आखिरकार तय हो गई। फिल्म अगले महीने के पहले सप्ताह रिलीज होगी। यह फिल्म लंबे समय से चर्चाओं में है, क्योंकि इसमें अमिताभ बच्चन धमाकेदार रोल में सबके सामने होंगे।

फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर कहा है कि फिल्म झुंड अगले महीने 4 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसके साथ ही मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर भी आउट किया है, जिसमें लिखा है, झुंड नहीं टीम कहिए।। इस पोस्टर में अमिताभ बच्चन के हाथ में फुटबॉल है।

अमिताभ बच्चन ने भी फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान करते हुए ट्वीट किया- इस टोली से मुकाबला करने के लिए रहो तैयार, हमारी टीम आ रही हैं... झुंड आपके नजदिकी सिनेमा घर में 4 मार्च को रिलीज होगी।

उल्लेखनीय है कि इसस पहले फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। फिल्म को सैराट के निर्देशक नागराज मंजुले ने निर्देशित किया है।

ऐश्वर्या रजनीकांत

कोविड-19 से संक्रमित, अस्पताल में भर्ती

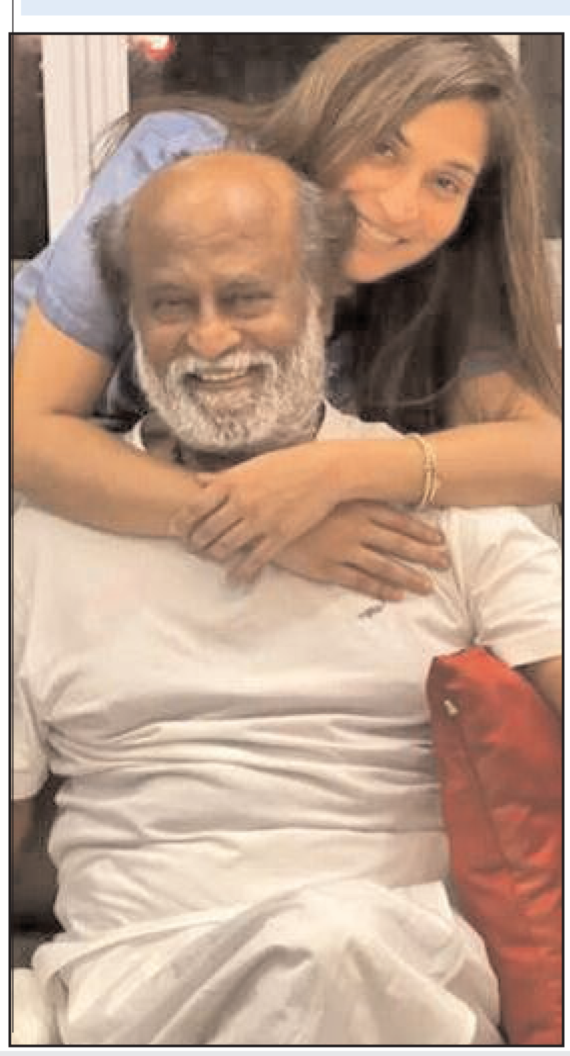

फिल्म निर्माता ऐश्वर्या रजनीकांत ने मंगलवार रात को कहा कि वह कोविड-19 से संक्रमित पायी गयी हैं और उनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सुपरस्टार रजनीकांत की बड़ी बेटी ऐश्वर्या (40) ने इंस्टाग्राम पर यह जानकारी दी और एक तस्वीर भी पोस्ट की जिसमें उनके हाथ में कैनुला (नसों में दवा पहुंचाने के लिये लगाई गई नलिका) लगा दिख रहा है।

चेन्नई की फिल्म निर्देशक ने कहा, ''सभी एहतियात बरतने के बावजूद संक्रमित पायी गयी हूं। अस्पताल में भर्ती हूं। कृपया मास्क लगाएं, टीके की खुराक लें और सुरक्षित रहें। 2022 में इसे लागू करें। हम देखेंगे कि आपके पास मेरे लिए और क्या है।''

ऐश्वर्या ने पिछले महीने अपने पति एवं अभिनेता धनुष से तलाक लेने की घोषणा की थी। दोनों ने 2004 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं।

ऐश्वर्या ने तमिल रोमांटिक थ्रिलर फिल्म ''3'' और कॉमेडी ''वाई राजा वाई'' जैसी फिल्मों के निर्देशन से पहचान बनायी है।

'रेलिया रे' गीत को मिले 10 मिलियन से ज्यादा व्यूज

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होते ही मशहूर सिंगर शिल्पी राज का भोजपुरी गीत रेलिया रेवायरल हो गया है। इस गीत ने 10 मिलियन से यादा व्यूज हासिल किए हैं।

रेलिया रे गीत में भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत अदाकारा श्वेता महारा नजर आ रही हैं। जो साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। गाने में श्वेता महारा इंडियन रेलवे से कह रही हैं कि ले चल वहां पे प्रियवा के देश रे। शिल्पी राज ने इस गीत बड़े ही भावुक तरीके से गाया है। उस पर श्वेता महारा के फेस एक्सप्रेशंस ने भोजपुरिया दर्शकों को घायल ही करके रख दिया है। गीत के बीच शिल्पी फैज भी नजर आ रही हैं। शिल्पी राज की सोशल मीडिया में गजब की फैन फॉलोइंग है।

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी प्रस्तुत रेलिया रे के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं, जबकि लेखक आशुतोष तिवारी हैं। गाने का म्यूजिक आर्या शर्मा, निर्देशक भोजपुरिया, कोरियोग्राफर गोलडी जैसवाल और बॉबी जैक्सन, एडिटर मीत जी, प्रोडक्शन हेड जुबैर शाह और पंकज सोनी हैं। गाने के फुल राइट्स वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के पास हैं।

पीएम मोदी ने किया वर्चुअल रैली को संबोधित

रवि शंकर तिवारी

नजीबाबाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रैली के माध्यम से जनता को संबोधित करने का प्रयास किया ,और देश के विकास के लिए भाजपा प्रत्याशियों को जिताने का आह्वान किया ।कान्हा प्लेस में वर्चुअल रैली कोसंबोधित करते हुए पीएम ने कहा की भाजपा सरकार में तीन साल मैं तीनकरोड़ लोगों को पक्के मकान, महिलाओं का सम्मान ,गरीबों को शिक्षा, गांव में सड़कों का जाल ,पानी की व्यवस्था की गई ।देश को विकास की आग्रिम भक्तिमें लाने के लिए प्रयास किए गए ,उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार में सबका साथ, सबका विकास ,सबका विश्वास ,लेकर सभी वर्गों के लिए काम किया गया। आमजन के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई ,उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा की नीतियों और योजनाओं को आमजन को बताने तथा भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने का अहान किया। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी शुभम ग्रोवर ,मुकुल रंजन दीक्षित, राजन टंडन गोल्डी ,अंकित राजपूत, तरुण राजपूत ,नीरज पाल ,दीपक कर्नवालराजीव, राजीव अग्रवाल, विक्रांत चौधरी, सुधीर भुईयार,तनु गोयल, इंदु गुप्ता, सीमा करण वाल,,मोनिका यादव, भाजपा प्रत्याशी राजा भारतेंद्र, ब्लाक प्रमुख तब राज सिंह देशवाल, आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे

अब सड़कों पर सुरक्षित है बेटिया:सत्यवीर त्यागी

मेरठ।

मेरठ,खरखौदा,जनप्रतिनिधि, किठौर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी लोकप्रिय नेता सत्यवीर त्यागी ने आज बुधवार को खरखौदा ब्लॉक के अंतर्गत खंदावली ग्राम में जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत बैठक को संबोधित करते हुए कहा की पिछली सपा सरकार में उनके मंत्रियों ने केवल विकास के नाम पर जनता को छला है । जरा याद करिए शाम होते ही कट्टा गिरोह सड़क पर लूटपाट करने के लिए निकल पड़ता था। बहन - बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। व्यापारियों को शाम ढलते ही लूट लिया जाता था। चारों तरफ अराजकता ही फैली हुई थी। लेकिन अब चीजें बदली हैं, और भाजपा के शासन में कानून व्यवस्था सुधरी है। अब क्षेत्र के गुंडे माफिया जेल की सलाखों के पीछे नजर आते हैं । अभी कल किठौर विधानसभा के सिसौली इंटर कॉलेज के मैदान पर हुई ऐतिहासिक जनसंवाद सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भाजपा में अब माफियाओं, गुंडों पर बाबाजी के बुलडोजर चलते हैं। जनसंपर्क अभियान मैं आज खरखौदा ब्लॉक के धनोटा, खंदावली, खानपुर ,नगलापातु, चंदपुरा, नयागांव, मीरपुरा, धनतला, बहरानपुर, उलधन, मढैया ,सेतकुआं सहित अन्य ग्राम पंचायतों में बैठक व जनसंपर्क किया। सत्यवीर त्यागी के जनसंपर्क कार्यक्रम में प्रत्येक जाति धर्म के लोगों के साथ सैकड़ों की संख्या में जनमानस मौजूद रहा । इस दौरान रोबिन गुज्जर, देवेंद्र गुर्जर ,पप्पू गुर्जर सेतकुआ, फिरे राम गुज्जर, अंकुर त्यागी, संजय प्रजापति, गौरव गर्ग, आशीष लोहिया प्रधान, अमित धनतला, राहुल मावी चंदपुरा, हरेंद्र भड़ाना, लीलु ठेकेदार, रवि त्यागी खरखौदा, विशांत बिजौली, ऋषि त्यागी (सदश्य, जिला पंचायत), अमित त्यागी बिजौली, हर्षित गर्ग, मुकेश गुप्ता, आदेश त्यागी बिजौली, अमित त्यागी माछरा, कैप्टन राजेश त्यागी, अतुल त्यागी कौल, पुनित त्यागी (प्रमुख, खरखौदा), सचिन त्यागी पांची, मनोज त्यागी पांची, शेखर त्यागी मीरपुरा, राजेश्वर छत्री, अशोक पोशवाल, रोहित गुप्ता, जितेंद्र त्यागी कैली, एवं देवतुल्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ मे चयनित साहित्यकार को इफ्को के एम डी डॉ उदय शंकर अवस्थी ने 11लाख नगद पुरस्कार एवं सम्मान पत्र दिया

श्री लाल शुक्ल के स्मृति मे आयोजित साहित्य सम्मान समारोह मे वरिष्ठ साहित्यकार शिव मूर्ति को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया , इफ्को के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने साहित्य कारों के प्रति आभार प्रकट किया

संजय कुमार

प्रयागराज । श्री लाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य पुरस्कार

वरिष्ठ साहित्यकार शिव मूर्ति को लखनऊ में एक सम्मान समारोह में दिया गया। वरिष्ठ साहित्यकार शिव मूर्ति जिनके केन्द्रीय पात्र किसान,मजदूर ,दलित,वंचित,स्त्री व उपेक्षित जन होते है एवं उनके साहित्य में गांव व खेती का सजीव चित्रण मिलता है। शिव मूर्ति ने कहा है कि साहित्यकार क्या लिखता है यह महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि वह क्यों लिखता है यह महत्वपूर्ण होता है।उन्होनें कहा कि कोई भी साहित्य के लिखने का उद्देश्य सर्व हिताय होना चाहिए। उनका लेख शोषण,दमन,अशिक्षा,कुपोषण, अन्याय असमानता छल लेखन का केन्द्र बिन्दु है।

विशेष ट्रेडर्स पर शाओमी मोबाइल स्टोर का हुआ भव्य शुभारम्भ

विवेक राय

स्योहारा/धामपुर। स्योहारा मार्ग स्थित मुन्नी देवी मन्दिर के सामने विशेष ट्रेडर्स पर शाओमी मोबाइल स्टोर का भव्य उद्घाटन ओम प्रकाश, विजय गुप्ता, देव् राजपूत व सूर्यांश राजपूत ने फीता काटकर किया।

जिसके बाद ऑनर कल्पना राजपूत ने सभी आए मेहमानों का आभारल व्यक्त करते हुए कहा कि शाओमी (एमआई) के फोन इस्तेमाल करने वाले हज़ारो उपभोक्ताओं को अब परेशान होने की ज़रूरत नही क्योंकि अब हमारे इस स्टोर पर ही हर समस्या का समाधान पूर्ण सन्तुष्टि के साथ किया जाएगा। इस मौके पर विशेष कुमार,देव् राजपूत,सूर्यांश राजपूत ,पीके त्यागी,हुक्म सिंह,आदि भी मौजूद रहें।

विद्युत लाइन बनाते समय संविदा लाइन मैन झुलसा

आनंद राय

उरुवा प्रयागराज। औता सब स्टेशन पर कौशल संविदा लाइनमैन बरवा गांव में लाइन बनाते समय झुलसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार औता सब स्टेशन पर वीरेंद्र यादव 40 वर्ष पुत्र अमृतलाल निवासी चोरबना कौशल संविदा लाइनमैन है ।ग्रामीणों की सूचना पर बरवा गांव में लाइन बना रहे थे तभी ग्रामीणों के प्रेशर,दबाव में लाइन चालू कर दिया गया जिसमें संविदा लाइनमैन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया ग्रामीणों और विद्युत कर्मचारी द्वारा आनन-फानन में निजी अस्पताल ले गए जहां स्थित नाजुक है। औता सब स्टेशन के जेई लवकुश कुमार ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा जो प्रेशर दबाव बनाया जाता है इसी कारण आए दिन दुर्घटना हो रही है मेरी गुजारिश है कि ग्रामीण लाइन बनाते समय दबाव बनाकर लाइन चालू कर दिया जाता है जिससे कर्मचारी खतरे में पड़ जाते हैं। जिसमें सभी उच्च अधिकारी विद्युत कर्मचारी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट- सीएम योगी

■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा एक सर्वसमावेशी और प्रगतिशील बजट के लिए आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने वाले इस बजट का हम स्वागत करते हैं। समाज के प्रत्येक तबके खासतौर पर, किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए प्रगतिशील बजट प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कोरोना काल खंड में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में यह बढ़ाने वाला बजट है। बजट में खासतौर पर एमएसपी के लिए, किसानों के उन्नयन और किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, यह वर्षों से चली आ रही किसानों की मांग को पूरा करता है। साथ ही प्रधानमंत्री के उस संकल्प जो 2022 तक किसानों की आमदनी को दुगुना करने के लक्ष्य को उन्होंने रखा था, उसे भी पूरा करता है। युवाओं के लिए 60 लाख नौकरियां भारत और स्वभाविक रूप से उत्तर प्रदेश के युवाओं को और भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके उन्नयन के लिए मिशन शक्ति के साथ-साथ अनेक ऐसे कार्यक्रम प्रारंभ करने का प्रावधान इस बजट में है, जो महिला सशक्तीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा। राज्यों को 50 वर्षों तक बिना ब्याज के लोन की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान और भी ऐसे प्रावधान हैं, नदियों को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड क्षेत्र केन बेतवा को जोड़ने के लिए बजट में प्रावधान है।

सीएम ने कहा कि 400 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की घोषणा आवागमन को और आसान बनाएगा। रेलवे छोटे किसानों और उद्यमों के लिए कुशल लॉजिस्टिक्स विकसित करेगा, जिससे स्थानीय उत्पाद की सप्लाई चेन को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश सरकार की एक जिला, एक उत्पाद योजना के तर्ज पर नई शुरू होने वाली एक स्टेशन, एक उत्पाद योजना का लाभ भी स्थानीय लोगों को मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को लेकर सरकार की दूरदर्शिता परिलक्षित होती है। रोड इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरपोर्ट, कार्गो के निर्माण और भी अन्य हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। यह देश की अर्थव्यवस्था को एक नई उचाईयां देगा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर में बनने वाले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब को भी इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि आर्थिक सर्वे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में वैश्विक महामारी कोरोना के बाद भी भारत की अनुमानित जीडीपी ग्रोथ 32 साल बाद 9.2 फीसदी है। यह अपने आप में बड़ी बात है। भारत की अर्थव्यवस्था ने ऐतिहासिक और शानदार प्रदर्शन किया है। इस लिहाज से भारत पूरी दुनिया में सबसे तेजी बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन के कारण ही संभव हो पाया है। सीएम योगी ने कहा कि आम बजट में जल जीवन मिशन के तहत 8.7 करोड़ परिवारों को हर घर नल योजना से कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में यह बड़ा कदम है। इससे करोड़ों लोगों को प्रदेश में भी लाभ मिलेगा और जल जनित बीमारियों से भी मुक्ति मिलेगी।

प्रधानमंत्री की वर्चुअल रैली का सीधा प्रसारण को सुना

राधा गुप्ता

मेजा प्रयागराज। प्रधानमंत्री की वर्चुअल रैली का सीधा प्रसारण सुनने के लिए मेजा में श्यामकली इंटरकालेज मेजारोड में एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई ।इसके लिए भाजपा ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष इंतजाम किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सुबह 11 बजे से आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था वर्चुअल रैली को संबोधित किया। भाजपा की ओर से जहां जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पांच सौ लोगों को अलग-अलग स्थानों पर बैठाकर संबोधन सुनने की व्यवस्था की गई। वहीं इसके लिए मेजा विधान सभा में मेजरोड स्थित श्यामकली इंटर कालेज में भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया के करीबी शैलेश पांडेय व जिला मंत्री नाथू गुप्ता ने व्यवस्था किया।यह जानकारी देते हुए जिला मंत्री

नाथू गुप्ता ने बताया कि मेजा विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी व ने कार्यकर्ता एलइडी स्क्रीन के माध्यम से करीब 5 सौ लोगों ने

पीएम का संबोधन सुना। उन्होंने बताया कि मेजा विधानसभा

क्षेत्र में निवास करने वाले राष्ट्रीय, प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल,

शक्ति केंद्रों, बूथों के पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा के

पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य, प्रकोष्ठ विभागों व प्रकल्पों के संयोजक व सह संयोजक, मंडल अध्यक्ष व मंडल पदाधिकारी वर्चुअल रैली में शामिल रहे।इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया,जयशंकर पांडेय, शैलेश पांडेय , जितेंद्र कुमार शुक्ला, आदि मौजूद रहे।

बजट में आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए प्रयास सराहनीय

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज भारत सरकार के बजट वर्ष 2022-2023 की सराहना करते हुए कहा कि ये देश के विकास को ध्यान में रखते हुए 25 साल की बुनियाद का बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए किये गए प्रयास सराहनीय है। आत्मनिर्भरता भारत का विजन है। कोरोना काल में बजट में शिक्षण व्यवस्था में आयी बाधाओं को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार ने पूरा ध्यान रखा है ताकि गांव-गांव तक विद्यार्थियों को गुणवत्तपूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। इसके लिए 12 चैनलों को बढ़ाकर 200 टी.वी. चैनल द्वारा कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु शिक्षा की व्यवस्था किया जाना प्रशंसनीय है। राज्यपाल जी ने बजट में बाल-शिक्षा को बेहतर करने की दिशा में आंगनवाडियों को सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत करने की व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से बच्चों को प्रारम्भ से ही शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में ऑर्गेनिक खेती से सम्बन्धित पाठ्यक्रम जोड़े जाने की व्यवस्था को बेहद आवश्यक और जनहितकारी बताया।

जी.एस.टी. विभाग में कार्यरत डी.सी.एस .आई.बी. करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं

■बिजनौर

जी0एस0टी0 विभाग में कार्यरत डी0सी0एस 0आई0बी संजय सिंह ने व्यापारियों से करोड़ों की संपत्ति डरा धमकाकर अर्जित की है जब इनसे दिनांक 1-12- 2021 को जन सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 2005 के अंतर्गत सूचना चाही गई तो इन्होंने तीन बिंदुओं पर मांगी गई सूचनाओं को घुमा कर एक पत्र मैं दिनांक 14 -1- 2022 को जवाब दिया कि बिंदु न -1- के जवाब में इन्होंने लिखा है कि सूचना जिसमें वाणिज्यक विश्वास व्यापार गोपनीयता या बौद्धिक संपदा सम्मिलित है जिसके प्रकटन किसी पर व्यक्ति प्रतियोगी स्थिति को नुकसान होता है जब तक किसी सक्षम अधिकारी का यह समाधान नहीं हो जाता कि ऐसी सूचना के पर्यटन से विस्तृत लोकहित का समर्थन होता है इस तरह के शब्दों को इस्तेमाल कर उन्हें हथियार बनाकर आर0टी0आई0 का जवाब ना देना इस बात का प्रतीक माना जाता है कि यह अधिकारी कितने शातिर हैं आर0टी0आई0 में मांगी गई सूचनाओं से इन्हें के काले कारनामे उजागर हो जाएंगे इसीलिए इन्होंने इन बिंदुओं को घुमा कर आर0टी0आई 0में चाही गई के सूचनाओं नहीं दिया है ऐसी कोई सूचना इनसे या व्यक्तिगत तौर पर नहीं मांगी गई जो विभाग से संबंधित ना हो किंतु डीसीएस आईबी संजय सिंह विभाग को और उत्तर प्रदेश सरकार को गुमराह कर रहे हैं इन्होंने सूचना उपलब्ध नहीं कराई यदि कराते तो इन्होंने जो काले कारनामे किए हैं सूचना देने पर इनकी पोल खुल जाती जिस तरह से यह छापेमारी करते हैं और जनता को डरा धमका कर उनसे वसूली करते हैं उससे जनता में इनके प्रति रोष है कुछ लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि डी0सी0एस0आई 0बी0 संजय सिंह और इनके साथी विभाग को दीमक की तरह से चाट रहे हैं संजय सिंह डी0सी0एस0आई0 बी0 जिस जिले में रहे वहां चर्चाओं का विषय बने रहे इन्होंने बिंदु नंबर -3 -में कहा है कि चाही गई सूचना इस कार्यालय से संबंधित नहीं है इससे भी सफ स्पष्ट होता है कि यह कितने चतुर कितने चतुर प्रवृत्ति के हैं जिन्होंने न केवल सूचना को छुपाया है बल्कि विभाग छवि को भी धूमिल करने का कार्य किया है।

केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट डिजिटल इण्डिया के भविष्य का दर्पण: डा दिनेश शर्मा

■ लखनऊ

उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा ने केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को डिजिटल इण्डिया के भविष्य का दर्पण बताया और कहा कि इसमें देश की प्रगति के 25 सालों का ब्लू प्रिंट खींचा गया है।प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति इस ऐतिहासिक बजट के लिए आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि बजट में डिजिटिलाइजेशन पर जोर दिया गया है तथा ई-पासपोर्ट, किसानों के लिए डिजिटल सेवाएं, डिजिटल शिक्षा, डिजिटल लेनदेन, आनलाइन बिलिंग आदि के द्वारा सामान्य जनमानस के जीवन को सरल एवं सुगम बनाने का प्रयास किया गया है। बजट के उपायों से उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक लाभ मिलेगा। इसके लिए राज्य में डबल इंजन की सरकार आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बजट में डिजिटल शिक्षा के प्रसार को लेकर की गई दो महत्वपूर्ण घोषणाएं शिक्षा को सुदूर एवं दुर्गम स्थानों तक पहुंचाने का क्रांतिकारी प्रयास है। महामारी जैसी परिस्थितियों में जब दुनिया ठहर जाती है तब पीएम ई-विद्या और डिजिटल विश्वविद्यालय जैसे प्रयास ज्ञान के प्रकाश से बच्चों और नौजवानों को रोशन करते रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चे महामारी जैसे दौर में शिक्षा से वंचित न रहें इसके लिए टीवी चैनेलों के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा के विस्तार के लिए 200 नये टीवी चैनेल शुरू किये जाएंगे। देश की विभिन्न भाषाओं में आरंभ होनेवाले इन चैनेलों के आने से गरीब से गरीब बच्चा भी ज्ञानवान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल इण्डिया का डिजिटल विश्वविद्यालय उच्च और आधुनिक शिक्षा के प्रसार में मील का पत्थर साबित होगा।इसके जरिये अलग अलग भाषाओं में दी जानेवाली गुणवत्तायुक्त शिक्षा राष्ट निर्माण के लिए सक्षम मानव साधन निर्माण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार इस दिशा में पूर्व में ही पहल करते हुए डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण करा चुकी है जिसमें 78 हजार से अधिक ई-कन्टेन्ट मौजूद है। बजट के प्राविधानों से व्यवसायिक शिक्षा के तहत वर्चुअल पाठ्यक्रम को प्रोत्साहन मिलेगा तथा कौशल विकास और उद्यम के बीच भागीदारी से रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे।भारत जैसे देश में जहां युवाओं की संख्या ज्यादा है वहां 60 लाख नौकरी की संभावनाओं को जन्म देना एक दूरदर्शी कदम है। किसानों को डिजिटल सुविधाओं के साथ साथ आर्गैनिक खेती को प्रोत्साहन केन्द्र सरकार की अन्नदाता के कल्याण की प्रति प्रतिबद्धता को बताता है। महामारी के चलते देश की बड़ी जनसंख्या मानसिक स्वास्थ्य की समस्या के लिए भी जूझ रही है और इसके निराकरण के लिए नेशनल टेलीमेन्टल योजना आरंभ करना एक सराहनीय प्रयास है तो महिला कल्याण के लिए बजट में लाई गई योजना सरकार के महिला उत्थान के संकल्प को पूरा करती है। इस क्रम में लगभग साढ़े आठ करोड़ लोगों को नल से पेयजल, 80 लाख को मकान केन्द्र की जन कल्याणकारी सोच का प्रतिबिम्ब है। प्रदेश में करीब ढाई करोड़ शौचालय देने के बाद हर घर में नल से पेय जल योजना का सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को मिलने जा रहा है।हर गांव में इन्टरनेट सुविधा की योजना भी उत्तर प्रदेश के गांवों का सर्वाधिक लाभान्वित करने के साथ ही वहां के निवासियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी।

पत्रकार जनसामान्य को जागरूक करने में अपना सहयोग प्रदान करें

■बिजनौर

पत्रकार बन्धुओं का आहवान किया कि जिले में मतदान के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने में अपना सहयोग प्रदान करें और इस प्रकार का माहौल सृजित करें, जिससे हर व्यक्ति को अपने मताधिकार का निश्चित रूप से प्रयोग करने का बोध हो सके। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को आभास होना चाहिए कि लोकतंत्र की मजबूती एवं स्वस्थ जनतंत्र में उसका महत्व है और उसका कर्तव्य है कि मतदान के अवसर पर अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी देश एवं राष्टभक्ति को प्रमाणित करे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के दिल में लोकतंत्र की स्वस्थता और मजबूती के प्रति जागरूकता और मताधिकार का प्रयोग करने के कर्तव्य के बोध की ज्वाला उत्पन्न करनी होगी, तभी शत प्रतिशत रूप से मतदान किये जाने को साक्षात रूप प्रदान होगा।

जिलाधिकारी श्री मिश्रा आज दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाए जाने सम्बन्धी विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान प्रेस बन्धुओं का आहवान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 14 फरवरी,22 को मतदान दिवस है, जिसे राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाएगा और प्रयास किया जाएगा कि जिले का कोई भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित न रहने पाए।

उत्तर प्रदेश के विकास को और भी गति देने वाला बजट: स्वतंत्र देव

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि केंद्रीय बजट देश की खुशहाली और उत्तर प्रदेश के विकास को और भी गति देने वाला बजट है। गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं की प्रगति का बजट है। यह सबके लिए हितकारी बजट है। बड़ा राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश को इस बजट में सबसे ज्यादा मिला है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को प्रदेश की जनता की ओर से धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

मतदान प्रक्रिया लोकतंत्र व्यवस्था की रीढ़ है

■बिजनौर

मतदान प्रक्रिया लोकतंत्र व्यवस्था की रीढ़ है, जिसको मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक मतदाता का कर्तव्य है कि वह निर्भिक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे। उन्होंने बताया कि जागरूक मतदाता अपने देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को सशक्त बनाने में अपने मताधिकार का प्रयोग करता है, ताकि देश में समृद्धि, शांति और परस्पर सहयोग की भावना को बल मिलता रहे। उन्होंने कहा कि आज पुरे विश्व में भारत की लोकतंत्र प्रणाली की धूम है, हमारा देश विश्व का विशालतम लोकतान्त्रिक देश है। उन्होने कहा कि हमारे संविधान में हर व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त हैं, इसमें न कोई छोटा है और न कोई बड़ा है। हमें इस आजादी की रक्षा, देश व समाज का निर्माण, प्रेम तथा सद्भावना व मेलजोल से रहना तथा सभी धर्मो का आदर करना चाहिए और इन सबके लिए नितांत आवश्यक है कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था बलवती बनी रहे। नोडल अधिकारी स्वीप/मुख्य विकास अधिकारी श्री सिंह के निर्देशों के अनुपालन में जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, बिजनौर सहित अन्य कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं शिक्षकगणों को शपथ दिलाई गई तथा आमजन को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर शत प्रतिशत रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

शीतकालीन ओलंपिक : भारतीय दल के प्रबंधक मोहम्मद अब्बास वानी कोरोना संक्रमित

बीजिंग। आगामी शीतकालीन बीजिंग ओलंपिक के लिए भारतीय दल के प्रबंधक मोहम्मद अब्बास वानी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। बीजिंग हवाई अड्डे पहुंचने पर हुए कोरोना जांच में वानी को रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने उक्त जानकारी दी।

बत्रा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, बीजिंग हवाई अड्डे पर हुए कोविड-19 जांच में भारतीय दल के प्रबंधक अब्बास वानी की रिपोर्ट सकारात्मक आई है। शेफ डे मिशन हरजिंदर सिंह फिर से परीक्षण के लिए समन्वय कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा,एथलीट और उसके कोच को किसी भी बातचीत से बचने के लिए दूसरे फ्लैट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का आयोजन 4 से 20 फरवरी तक होना है। कश्मीर के स्कीयर आरिफ खान भारत के एकमात्र एथलीट हैं जिन्होंने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक 2022 के लिए क्वालीफाई किया है। आरिफ स्लैलम और जायंट स्लैलम स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

दक्षिण कोरिया ने विश्व कप के लिये क्वालीफाई किया

सोल। दक्षिण कोरिया ने दुबई में सीरिया को 2.0 से हराकर लगातार दसवीं बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बना ली है।

दक्षिण कोरिया के लिये किम जिन सू और वोन चांग हून ने दूसरे हाफ में गोल दागे।

कतर में होने वाले 32 टीमों के विश्व कप में जगह बनाने वाली दक्षिण कोरिया 15वीं टीम है। एशिया ग्रुप ए क्वालीफायर में तीसरे स्थान पर काबिज संयुक्त अरब अमीरात से उसके 11 अंक अधिक है जबकि उसे दो मैच और खेलने है।

क्वालीफाई कर चुके ईरान ने यूएई को 1.0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी और तीसरे स्थान की टीम प्लेआफ खेलेगी।

ग्रुप बी में जापान ने सउदी अरब को 2.0 से हराया। सउदी अरब अभी भी 19 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि जापान उससे एक अंक पीछे है।

आस्ट्रेलिया ने ओमान से 2.2 से ड्रॉ खेला और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

विश्व कप क्वालीफायर : अर्जेंटीना से हारने के बाद कोलंबिया की राह मुश्किल

साओ पाउलो। अर्जेंटीना से दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में 1.0 से हारने के बाद कोलंबिया फुटबॉल टीम को अब विश्व कप में जगह बनाने के लिये अगले मैच में चमत्कार की उम्मीद करनी होगी।

अर्जेंटीना ने 29वें मिनट में लौतारो मार्तिनेज के गोल के दम पर कोलंबिया को हराया।

कोरोना संक्रमण से उबर रहे सुपरस्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी इस मैच में नहीं खेले। ब्राजील और अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप में जगह बना चुके हैं।

कोलंबिया 17 अंक लेकर सातवें स्थान पर है। पेरू 20 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है जिसे इक्वाडोर से खेलना है। पेरू के जीतने के बाद क्वालीफाइंग की दौड़ में सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी उरूग्वे होगा जिसके 22 अंक हैं। उरूग्वे को पेरू ओर चिली से खेलना है जबकि कोलंबिया को आखिरी दो मैचों में बोलिविया और वेनेजुएला का सामना करना है।

पाकिस्तान दौरे से हटने का इंग्लैंड का फैसला बेतुका था : एलेक्स हेल्स

कराची। पाकिस्तान में खेलने के अभ्यस्त हो चुके इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने कहा कि पिछले साल पाकिस्तान दौरे से पीछे हटने का इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड का फैसला बेतुका था।

पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद युनाइटेड के लिये खेलने वाले हेल्स ने जियो टीवी से कहा, ''वह दौरा रद्द करने का फैसला मेरी नजर में बेतुका था।''

इंग्लैंड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पिछले साल पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था।

हेल्स ने कहा, ''कोरोना काल में पाकिस्तान टीम के इंग्लैंड आने से ईसीबी को काफी फायदा हुआ। ऐसे में उनका पाकिस्तान दौरा रद्द करना समझ से परे थे। यह तो छोटा दौरा ही था।''

पीएसएल में पांचवीं बार खेल रहे हेल्स ने कहा, ''मैं यहां चार पांच बार आ चुका हूं और यहां मेरा काफी ख्याल रखा गया। लोगों की मेहमानवाजी अच्छी है और क्रिकेट का स्तर भी बढ़िया है। लोग क्रिकेट के दीवाने हैं और यहां खेलने में बहुत मजा आता है। मैं बिल्कुल सुरक्षित महसूस करता हूं।''

ईसीबी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने दौरे का कार्यक्रम फिर से तय किया है और अब इंग्लैंड टीम इस साल के आखिर में दो बार पाकिस्तान आयेगी। पहले सितंबर में सात मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी और फिर नवंबर दिसंबर में तीन टेस्ट की श्रृंखला खेलने आयेगी।

शीतकालीन ओलंपिक के लिये भारतीय दल का मैनेजर कोरोना पॉजिटिव

बीजिंग। भारत के शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनजर मोहम्मद अब्बास वानी को बीजिंग हवाई अड्डे पहुंचने पर कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया है।अब्बास वानी छह सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा है जिसमें एकमात्र खिलाड़ी कश्मीर के स्कीअर आरिफ खान है। आरिफ स्लालोम और जाइंट स्लालोम वर्ग में भाग लेंगे। भारत के दल प्रमुख हरजिंदर सिंह है और एल सी ठाकुर अल्पाइन कोच, पूरन चंद तकनीशियन और रूप चंद नेगी टीम अधिकारी है।

अफगानिस्तान को हराकर इंग्लैंड 24 साल बाद अंडर 19 विश्व कप फाइनल में

नॉर्थ साउंड। इंग्लैंड ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 15 रन से हराकर 24 साल के इंतजार को खत्म करते हुए आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

स्पिनर रेहान अहमद ने 46वें ओवर में तीन विकेट लिये जब अफगानिस्तान को आखिरी दस गेंद में 18 रन बनाने थे।

दो साल पहले दक्षिण अफ्रीका में हुए टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रही इंग्लैंड टीम ने जबर्दस्त वापसी की है। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम अब कूलिज में तीसरे स्थान का मुकाबला खेलेगी।

बारिश के कारण दो सुपर लीग सेमीफाइनल का पहला मैच देर से शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया।

अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी शुरूआत की और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 88 रन बनाने वाले जैकब बेथेल को नावीद जदरान ने सस्ते में पगबाधा आउट कर दिया।

कप्तान टॉम प्रेस्ट भी जल्दी आउट हो गए जिससे स्कोर 56 रन पर दो विकेट हो गया।

जॉर्ज थॉमस ने 50 रन बनाये लेकिन नूर अहमद की शानदार गेंद पर आउट हो गए। विलियम लक्सटन को इजहारूलहक नावीद ने क्लीन बोल्ड किया तब सौ रन पर पांच विकेट गिर चुके थे।

इसके बाद फिर बारिश हो गई और मैच 47 ओवर का करना पड़ा। इंग्लैंड के लिये आखिर में जॉर्ज बेल और एलेक्स होर्टोन ने 95 रन की साझेदारी करके टीम को 231 रन तक पहुंचाया।

अफगानिस्तान को डकवर्थ लुईस प्रणाली से संशोधित लक्ष्य मिला जिससे उन्हें अच्छी शुरूआत की जरूरत थी लेकिन वे नाकाम रहे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश बॉयडेन ने पारी की तीसरी ही गेंद पर विकेट लिया। अल्लाह नूर ने आते ही छक्का लगाकर दबाव कम किया और अपनी अर्धशतकीय पारी में आठ चौके जड़े। मोहम्मद इशाक के रन आउट होने के बाद हालांकि अफगानिस्तान की पारी कमजोर पड़ गई। नूर 60 रन बनाकर आउट हुए।

अब्दुल हादी ने नाबाद 37 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया लेकिन अहमद ने आखिर में शानदार गेंदबाजी करके इंग्लैंड को 1998 के बाद पहली बार अंडर 19 विश्व कप फाइनल में पहुंचाया। इंग्लैंड ने 1998 में खिताब जीता था।

मार्क बाउचर मामले में अनुशासनात्मक सुनवाई मई तक टली

जोहानिसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच मार्क बाउचर के खिलाफ नस्लवाद के आरोपों में अनुशासनात्मक सुनवाई मई तक के लिये टाल दी गई है। सुनवाई कर रही पैनल के अध्यक्ष एडवोकेट टैरी मोटाउ ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाउचर ने मई में सुनवाई कराने की अपील की थी ताकि वह उनकी ओर से गवाही के लिये दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा खिलाड़ियों को बुला सके। उन्होंने मीडिया से कहा, ''सीएसए मामले की शीघ्र सुनवाई चाहता है क्योंकि कुछ आरोप पुराने हैं। बाउचर अपनी ओर से गवाही से लिये कुछ खिलाड़ियों को बुलाना चाहते हैं लेकिन ये खिलाड़ी 17 फरवरी से एक मार्च तक न्यूजीलैंड और फिर 18 मार्च से 11 अप्रैल तक बांग्लादेश दौरे पर होंगे। दौरों के बीच में सुनवाई से व्यवधान पैदा होगा।''

> मीडिया से कहा, ''सीएसए मामले की शीघ्र सुनवाई चाहता है क्योंकि कुछ आरोप पुराने हैं। बाउचर अपनी ओर से गवाही से लिये कुछ खिलाड़ियों को बुलाना चाहते हैं लेकिन ये खिलाड़ी 17 फरवरी से एक मार्च तक न्यूजीलैंड और फिर 18 मार्च से 11 अप्रैल तक बांग्लादेश दौरे पर होंगे। दौरों के बीच में सुनवाई से व्यवधान पैदा होगा।''

उन्होंने कहा, ''दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मैने मामले की अगली सुनवाई 16 से 20 मई वाले सप्ताह में करने का फैसला किया है।'' अपने जमाने के दिग्गज विकेटकीपरों में से रहे बाउचर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर पॉल एडम्स ने मैचों के बाद बैठक में ऐसा गीत गाने का आरोप लगाया है जिसमें नस्लवादी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

महिला फुटबॉलरों को अब मिलेगा 14 सप्ताह का मातृत्व अवकाश.. यहां अवकाश नीति में किया गया बदलाव

लंदन। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के लिये मातृत्व अवकाश नीति में बदलाव किया गया है और अगले सत्र से उन्हें नियमित वेतन और अतिरिक्त भत्तों के साथ 14 सप्ताह का अवकाश मिलेगा।

इंग्लैंड फुटबॉल संघ ने बताया कि महिला सुपर लीग और महिला चैम्पियनशिप खेलने वाली खिलाड़ियों को यह सुविधायें मिलेंगी।

इससे पहले यह क्लब पर निर्भर करता था कि वह कितनी छुट्टी देना चाहता है और उसके लिये भी यह अनिवार्य था कि खिलाड़ी क्लब के साथ कम से कम 26 सप्ताह खेल चुकी हो। नयी नीति के तहत ऐसी कोई बाध्यता नहीं है।

चेलसी की मैनेजर एम्मा हायेस ने कहा, ''यह सही दिशा में एक और कदम है।

कोरोना संक्रमित हुए कीगन पीटरसन, न्यूजीलैंड दौरे से बाहर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज कीगन पीटरसन कोरोना से संक्रमित हो गए हैं, जिसके कारण वह न्यूजीलैंड दौरे से चूक जाएंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बुधवार को उक्त जानकारी दी।

सीएसए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, नंबर तीन बल्लेबाज पीटरसन फिलहाल ठीक हैं और स्पर्शोन्मुख है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) की मेडिकल टीम उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए उनके संपर्क में है। सिक्स-गन ग्रिल वेस्टर्न प्रोविंस के बल्लेबाज, जुबैर हमजा, न्यूजीलैंड दौरे के लिए उनकी जगह लेंगे।

बता दें कि पीटरसन को भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। दाएं हाथ के बल्लेबाज पीटरसन ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 46.00 की औसत से 276 रन बनाए थे। वह श्रृंखला में 72, 82 और 62 के स्कोर के साथ तीन से अधिक अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम इस प्रकार हैः

डीन एल्गर (कप्तान) टेम्बा बावुमा (उप-कप्तान), सरेल इरवी, जुबैर हमज़ा, साइमन हार्मर, मार्को जेन्सन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, डुआने ओलिवियर, कागिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, लूथो सिपमला, ग्लेनटन स्टुउरमैन, रासी वैन डेर डूसन, काइल वेरेने (विकेट-कीपर)।

डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप मुकाबले के लिए भारतीय टेनिस टीम घोषित

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। डेनमार्क के खिलाफ चार और पांच मार्च को होने वाले आगामी डेविस कप के विश्व ग्रुप एक मुकाबले के लिए भारतीय टेनिस टीम की घोषणा कर दी गई है। यह टूर्नामेंट भारत की मेजबानी में हो रहा है और फरवरी 2019 के बाद से यह पहली बार होगा कि भारत घरेलू सरजमीं पर डेविस कप मुकाबला खेलगा।

भारत ने इससे पहले फिनलैंड (2021), क्रोएशिया (2020) और कजाकिस्तान (2019, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए) की यात्रा की थी। भारत ने फरवरी 2019 में अपनी सरजमीं पर इटली की मेजबानी की।

कोलकाता में खेले गए इस मुकाबले में उसे 1-3 से हार मिली थी।

डेनमार्क के पास होल्गर रूण (103 वीं रैंकिंग) के रूप में एकल वर्ग में ऐसा खिलाड़ी है जिसकी रैंकिंग भारतीयों से बेहतर है। इसके बावजूद घरेलू परिस्थितियों के कारण भारत का पलड़ा भारी होगा। भारत और डेनमार्क की टीमों ने डेविस कप में सिर्फ दो बार एक-दूसरे का सामना किया है।

1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया तो वही सितंबर 1984 में भारत ने आरहूस में 3-2 से जीत दर्ज की थी।

डेविस कप मुकाबले के लिए टीम इस प्रकार है-

रामकुमार रामनाथन, प्रजनेश गुणेश्वरन, युकी भांबरी, रोहन बोपन्ना, दिविज शरण, साकेत माइनेनी (रिजर्व 1), दिग्विजय प्रताप सिंह (रिजर्व 2)।

रोहित राजपाल कप्तान होंगे और जीशान अली कोच होंगे। टीम अभ्यास के लिए 23 फरवरी 2022 को दिल्ली में एकत्रित होगी।

आईएसएल : जसुराज के हैडर ने ओडिशा को किया ड्रा पर मजबूर

गोवा। रैफरी सेंथिल नाथन की सीटी बजने से कुछ सेकेंड पहले एलेक्जेंडर जसुराज के हैडर ने बराबरी का गोल करके ओडिशा एफसी के हाथों से जीत छीन ली। इस सनसनीखेज गोल की मदद से एफसी गोवा मंगलवार रात बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के लीग मुकाबले में ओडिशा एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोकने में सफल रही। मुकाबले में शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के लिए ओडिशा के स्पेनिश डिफेंडर विक्टर मोंगिल को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

इस ड्रा के बावजूद ओडिशा अंक तालिका में आठवें से सातवें स्थान पर पहुंच गई है। कोच किनो गार्सिया की टीम ने 14 मैचों में पांच जीत और तीन ड्रा से 18 अंक जुटा लिए हैं। वहीं, गोवा इस ड्रा से नौवें स्थान पर बनी हुई है। कोच डेरिक परेरा की टीम 15 मैचों में 15 अंक हासिल कर चुकी है। उसने तीन मैच जीते हैं और छह ड्रा खेले हैं।

मैच का पहला गोल 61वें मिनट में आया, जब ब्राजीली फॉरवर्ड जोनाथस क्रिस्टिआन ने पेनल्टी किक पर स्कोर करके ओडिशा एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। ओडिशा को यह सुनहरा अवसर तब मिला जब गोवा के स्पेनिश मिडफिल्डर अल्बर्टो नोगुएरा ने अपने पेनाल्टी बॉक्स के अंदर हमवतन अटैकिंग मिडफील्डर जावी हेर्नांडीज को गिराकर फाउल कर दिया था, जिस पर रैफरी सेंथिल नाथन एस. ने स्पॉट किक देने में कोई देरी नहीं की। मध्यांतर के ठीक बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे जोनाथन ने एक सटीक राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के एकदम ऊपर बाएं कॉर्नर तरफ भेज दिया, जबकि गोवा के गोलकीपर नवीन कुमार किसी तरह का पूर्वानुमान नहीं लगा सके, क्योंकि उनकी डाइव विपरीत दिशा पर थी।

चार मिनट के स्टॉपेज टाइम, 90 4वें मिनट में मिडफील्डर जसुराज के हैडर ने हारी बाजी पलट दी। स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे जसुराज के सनसनीखेज गोल से गोवा मैच को 1-1 की ड्रा कराने में सफल रहा। बाएं फ्लैंक से एयराम कैब्रेरा के क्रॉस को उन्होंने हैडर से गोलपोस्ट के अंदर डाल दिया।

इस परिणाम के बाद इस सीजन दोनों टीमों की टक्कर बराबरी पर छूटी। क्योंकि पिछली बार सीजन के पहले चरण में ये दोनों टीमें आपस में भिड़ी थीं, तो वो मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा था।

मनिका बत्रा ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का किया दौरा

शहीद निर्मल जीत सिंह सेखों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और 1971 के भारत-पाक युद्ध में अनुकरणीय साहस और दृढ़ संकल्प दिखाने वाले वीर शहीद वायु योद्धा निर्मल जीत सिंह सेखों को श्रद्धांजलि दी।

मनिका ने स्मारक में परम योद्धा स्थल नामक वीरता गैलरी में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां परम वीर चक्र से सम्मानित कुल 21 शहीदों के बीच फ्लाइंग वॉर हीरो की प्रतिमा स्थापित है।

ओलंपियन मनिका ने कहा, स्मारक पर हमारे सैनिकों द्वारा किए गए युद्ध और सर्वोच्च बलिदान के बारे में लिखे गए उद्धरणों ने मुझे

मंत्रमुग्ध कर दिया है। एक भारतीय के रूप में, मेरा दिल आज कृतज्ञता और गर्व से भर गया है।

मनिका ने आगे कहा, जिस तरह से स्मारक का वास्तुशिल्प डिजाइन शहीदों को अमर बनाता है, उसी तरह मोबाइल ऐप-आधारित वर्चुअल टूर गाइड और वर्चुअल श्रद्धांजलि के लिए डिजिटल पैनल जैसी उन्नत डिजिटल सुविधाएं इसे आसानी से बनाती हैं। जो हर नागरिक के लिए कहीं से भी सुलभ है।